चैत्र कृष्ण पक्ष- 3, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 240 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
06 मार्च 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
32.4 अधिकतम
15.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कांग्रेस खुद तय करे, उसे विदेशी मामलों में क्या रूख अपनाना चाहिए

ईरान के खिलाफ अमेरिका-इसरायल के हमले और खाड़ी के आधा दर्जन से ज्यादा अमेरिकी सैन्य बेस पर ईरान के पलटवार के बीच भारत में कांग्रेस की सियासत हर किसी को चौंका रही है। देश के आंतरिक मामलों को लेकर यदि कांग्रेस एनडीए, भाजपा या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरती है तो बात समझ में आती है, लेकिन आलोचना के अतिरेक में वह देश और उसकी कूटनीतिक रणनीति के साथ खड़े होने की बजाए भारत सरकार पर ही हमला करने और ईरान की तबाही पर स्यापा करने में जुटी है। कांग्रेस की इस रणनीति ने उसे वैश्विक मंच पर ही नहीं देश के भीतर भी उपहास का पात्र बना दिया है। उसके हालात 'तुम कौन' खामाखां वाले हो चले हैं। कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष जयराम रमेश ने मोदी की इजराइल यात्रा के दो दिन बाद हुए ईरान पर हमले को लेकर लगातार सवाल उठाए। रमेश का सवाल था कि मोदी की यात्रा दो दिनों के भीतक अमेरिका और इसरायल ने ईरान पर हमले क्यों किए? राहुल की मंडली के इस सबसे खास सदस्य को भला कौन समझाए कि क्या मोदी के कहने पर ही ईरान पर हमला बोला गया? ऐसी कुतर्की दलील देते वक्त जयराम भूल गए कि भारत ने ईरान में लाखों करोड़ खर्च करके चाबहार बंदरगाह बनाया है। ऐसे में क्या भारत अपने बड़े निवेश और विदेशी कारोबार को प्रभावित करने का काम करेगा? श्रीलंका के जल क्षेत्र में ईरान के जहाज को डुबाने पर भी कांग्रेस हमला करने से नहीं चूकी। उसने कहा कि हिंद महासागर में अमेरिकी हमला भारत पर हमला है। अब उन्हें कौन समझाए कि पूरा हिंद महासागर भारत की मिल्कियत नहीं है। सभी देशों की करीब सौ किलोमीटर तक की समुद्री जल सीमा होती है। हमला श्रीलंका की जलीय सीमा के पास हुआ है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ईरान पर एकतरफा हमले को अंर्तराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताते हुए इसकी आलोचना की। राहुल गांधी पूछ रहे हैं कि पीएम मोदी या भारत सरकार ने इस संकट पर स्पष्ट प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। उन्होंने लगे हाथ बिना मांगे सलाह भी दी कि भारत को ऐसे बड़े घटनाक्रम पर स्पष्ट और स्वतंत्र रूख अपनाना चाहिए। राहुल गांधी ने मिडिल ईस्ट में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता भी जताई। अब राहुल गांधी को भला कौन समझाए कि ऐसे हालात में देश के पक्ष और विपक्ष को आरोप- प्रत्यारोप से बचके भारतीय विदेश नीति के साथ खड़ा होना चाहिए। देश की आजादी के बाद से राहुल काल शुरू होने तक इसी परंपरा का निर्वहन हो रहा था।

जहां तक भारत सरकार के आधिकारिक रुख का सवाल है तो उसने सावधानी के साथ संतुलित रवैया अपना रखा है। भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़ती सैन्य कार्रवाई पर चिंता जताते हुए अस्थिरता बढने की आशंका जताते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने और बातचीत का रास्ता अपनाने की सलाह ही है। इसके लिए मोदी सरकार के डिप्लोमेट ने अमेरिका से लेकर इजराइल और ईरानी राजनयिकों से बात भी की है। यह सिलसिला निरंतर जारी है। उसने मिडिल ईस्ट में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा को लेकर अपनी प्राथमिकता और उनकी सुरक्षित भारत वापसी की तैयारी भी कर रखी है। एक पक्ष का समर्थन किए बगैर भारत अपने राष्ट्रीय हितों को आगे रखकर एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रहा है। ऐसे हालात में विपक्ष, खासतौर से कांग्रेस को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। पर हो उल्टा रहा है। राहुल की मां सोनिया गांधी ईरानी धार्मिक नेता खमेनेई की मौत पर अखबारों में लेख लिखकर स्यापा कर रही हैं । प्रियंका गांधी भी इसको लेकर खासी चिंतित हैं? गांधी परिवार के प्रभुत्व वाली कांग्रेस का जोर इस बात पर है कि भारत अमेरिका और इजराइल की खुलकर निंदा क्यों नहीं कर रहा? खेमनेई के मारे जाने की आलोचना क्यों नहीं कर रहा? महीने भर पहले जब ख़ामेनेई के खिलाफ चलते जेन जी आंदोलन में दस हजार से ज्यादा लोगों का कत्लेआम हुआ तब राहुल और सोनिया के मुंह में दही जम गया था। यह दोहरा मापदंड क्यों?

विदेशी मामलों में देश का रूख केवल प्रधानमंत्री ही तय नहीं करते बल्कि सरकार में काम कर रहे विदेशी डिप्लोमेट और भारतीय विदेश सेवा के अफसर भी दूरगामी अंजामों को ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री से मशवविरा करके ही अपना स्टैंड लेते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर खुद भी विदेश सेवा के अफसर रहे हैं। ऐसे में भारत विदेशी मामलों में क्या करे या न करे, इसमें कांग्रेस की भूमिका क्या होना चाहिए, यह उसे ही तय करना होगा। वरना लोग देश भर में मशहूर भोपाली जुमला कांग्रेस पर जड़ेंगे... मियां आखिर तुम कौन ? खामखां?

अमेरिका-इजराइल- ईरान महासंग्राम... ईरान में 1500 की मौत, कई जगह पानी - बिजली ठप

एक महीने तक रूस से तेल खरीद सकेगा भारत, महंगा नहीं होगा पेट्रोल-डीजल

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने दिया भारतीय रिफाइनरियों को स्पेशल लाइसेंस

नईदिल्ली, एजेंसी

युद्ध के कारण भारत में पेट्रोल-डीजल संकट और इनके दाम बढ़ने की आशंका पर फिलहाल विराम लगता दिख रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने की छूट मिल गई है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने भारतीय रिफाइनरियों को 30 दिन का स्पेशल लाइसेंस दिया है जो 3 अप्रैल वैध रहेगा।

अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण पार्टनर हैं और ग्लोबल मार्केट में तेल की सप्लाई को स्थिर रखने के लिए यह छूट दी गई है। बेसेंट ने कहा कि ईरान ग्लोबल एनर्जी मार्केट को बंधक बनाने की कोशिश कर रहा है। इस दबाव को कम करने के लिए हम भारत को यह छूट दे रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इसके बाद भारत अमेरिकी तेल की खरीद में तेजी लाएगा। अमेरिका का मानना है इस उपाय से ग्लोबल मार्केट में तेल की कमी नहीं होगी। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' के लाइसेंस से 5 मार्च तक जहाजों पर लोड हो चुके रूसी कच्चे तेल की ही

डिलीवरी भारत को की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि कार्गो शिप्स लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल टैंकरों में भरकर एशियाई देशों के आसपास वेटिंग मोड में खड़ी हैं। अमेरिका से भारत को यह सुविधा तब मिली है जब मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई है। ईरान ने 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20 फ़ीसदी तेल सप्लाई होती है। पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरामको की 'रास तनुरा' रिफाइनरी और इराक के 'रुमैला' तेल क्षेत्र जैसे बड़े केंद्रों पर हमले हुए हैं। उधर, ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट कूड की कीमतें आज सुबह 84 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं।

इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला, बहरीन रिफाइनरी पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच सातवें दिन भी जंग जारी है। ईरान ने गुरुवार रात इजराइल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन मिसाइलों में क्लस्टर बम लगे थे। दागी गई हर मिसाइल से 20 छोटे बम अलग-अलग जगहों पर गिरे। हर बम में लगभग 2.5 किलो विस्फोटक था जो कई किलोमीटर दूर तक फैल गया। इससे हुए नुक्सान का ब्यौरा नहीं मिल सका है। वहीं ईरान ने बहरीन की सरकारी तेल रिफाइनरी बापको पर मिसाइल से हमला किया। इससे रिफाइनरी की एक यूनिट में आग लग गई। हालांकि बाद में आग काबू कर ली गई।

अभी सुप्रीम लीडर न चुने ईरान : ट्रम्प

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी। एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके।

गैस संकट... आज से कमर्शियल- इंडस्ट्रियल सिलेंडर सप्लाई बंद, घरेलू सिलेंडर भी एक माह में एक ही मिलेगा

घरेलू एलपीजी गैस के भविष्य में संभावित संकट को देखते हुए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर आज से देश भर में कमर्शियल और इंडस्ट्रियल एलपीजी गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक लगा दी है। आदेश में कहा गया है कि सभी प्राइवेट रिफाइनरी केवल सरकारी कंपनियों इंडियन ऑयल , हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को ही गैस सप्लाई करेंगी। और ये कम्पनियाँ डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं को ही सिलेंडर दे सकेंगी। उपभोक्ताओं को केवल उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से बुकिंग होने पर ही एलपीजी सप्लाई करने को कहा गया है। अगले आदेश तक एक नंबर से एक महीने में एक ही सिलेंडर दिया जाएगा। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन असोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस शर्मा के अनुसार सरकार का सर्कुलर सभी एजेंसियों को भेज दिया गया है। कमर्शियल सिलेंडर सप्लाई रोकने का असर सीधे होटल - रेस्तरां आदि पर पड़ेगा। स्टॉक ख़त्म होने के बाद उन्हें वैकल्पिक इंतज़ाम करने होंगे। उल्लेखनीय है कि ईरान के ड्रोन हमलों के बाद दुनिया के सबसे बड़े गैस प्लांट 'रस लफान' को बंद कर दिया गया है। भारत अपनी कुल जरूरत की आधी गैस कतर से ही खरीदता है। अब सरकार दूसरे देशों और इंटरनेशनल स्टॉकपाइल्स से गैस खरीदने की कोशिश कर रही है।

न्यूज विंडो

असमः सुखोई हादसे में दोनों पायलट की मौत

गुवाहाटी। असम में वायु सेना का एक सुखोई-30 एमआईके लड़ाकू विमान एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी और जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस दुखद घटना में विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई है। वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर निकला था। इसने गुरुवार शाम को जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क कंट्रोल रूम से टूट गया ।

तेलंगाना में नई राजनीतिक पार्टी बनाएंगी के कविता

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति की पूर्व सदस्य और के चंद्रशेखर राव की बेटी, के कविता तेलंगाना में एक नई पार्टी बनाने जा रही हैं। के कविता ने यह एलान तब किया, जब दिल्ली की एक कोर्ट ने उन्हें और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत 23 लोगों को शराब घोटाले के मामले में बरी कर दिया। दिल्ली शराब घोटाले में बरी होने के बाद के कविता तिरुमाला में तिरुपति बालाजी मंदिर गईं।

आज का कार्टून

सरकारी अफसरों की लेटलतीफी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

आदेश न मानने पर कंटेम्प्ट की कार्रवाई

नईदिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन न करने और बाद में देरी से अपील या रिव्यू पिटीशन दाखिल करने की प्रवृत्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में सख्ती जरूरी है, नहीं तो न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर महादेवन की बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति या अधिकारी तय समय सीमा के भीतर कोर्ट को किसी वास्तविक कठिनाई की जानकारी नहीं देता, तो बाद में प्रशासनिक अड़चन या आदेश को लागू करना असंभव होने का तर्क कंटेम्प्ट की कार्रवाई से बचने का आधार नहीं बन सकता। बेंच ने कहा कि हाल के दिनों में यह देखा जा रहा है कि कोर्ट के आदेशों का लंबे समय तक पालन नहीं किया जाता और जब अवमानना (कंटेम्प्ट) की याचिका दायर होती है, तब बहुत देर से अपील दाखिल की जाती है। बेंच ने कहा कि देरी से अपील दाखिल करना अपवाद होना चाहिए लेकिन अब यह नियम बनता जा रहा

है। सुप्रीम कोर्ट कोर्ट ने कहा, हाई कोर्ट को ऐसे बेईमानी वाले केस करने वालों से सख्ती से निपटना चाहिए, खासकर तब जब वे संविधान के आर्टिकल 12 के तहत 'स्टेट' या ऐसी ही कोई संस्था हों।' स्ट ने कहा, 'जब तक हाई कोर्ट इन बातों से सख्ती से नहीं निपटते, तब तक इस देश के आम केस करने वालों का हर लेवल पर ज्यूडिशियरी से भरोसा टूटेगा।

यह है मामला: कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार के अधिकारियों के खिलाफ कर्मचारियों की सेवाओं को रेगुलर करने के अपने ऑर्डर का पालन न करने के लिए एक कंटेम्प्ट पिटीशन पर यह ऑर्डर पास किया, और उन्हें 15 दिनों के अंदर इसे लागू करने का आखिरी मौका दिया।

नेपाल में भारत विरोधी ओली पिछड़े

काठमांडू. एजेंसी

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 62 सीटों पर आए शुरुआती रुझानों में रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 47 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं गगन थापा की पार्टी नेपाली कांग्रेस और केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल 5-5 सीटों पर आगे है। केपी ओली खुद भी झापा-5 सीट पर काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह से 4 हजार से ज्यादा वोटों से पीछे चल रहे हैं। अभी तक उन्हें 4,087 वोट जबकि बालेन शाह को 10,190 वोट मिले हैं। दोनों नेता झापा-5 सीट से आमने-सामने हैं। इस चुनाव में बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का दावेदार माना जा रहा है। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद गुरुवार को हुए चुनाव में 60 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने वोट डाले।

नीतीश के बाद बिहार में नेतृत्व परिवर्तन

जदयू की अहम बैठक आज, निशांत हो सकते हैं अकेले उपमुख्यमंत्री

पटना. एजेंसी

बिहार में बीते 2 दिनों से चल रही सियासी खलबली के बीच खबर है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद होने वाले नेतृत्व परिवर्तन के तहत बिहार में सिर्फ एक ही डिप्टी सीएम होगा। सूत्रों के अनुसार जेडीयू चाहती है कि बिहार में सिर्फ एक डिप्टी सीएम ही रहे और यह जिम्मेदारी निशांत कुमार को मिले।

वहीं बताया जा रहा है कि नई सरकार में जदयू के कोटे से करीब 15 मंत्री बनाए जा सकते हैं। निशांत बहुत जल्द जेडीयू में औपचारिक रूप से शामिल हो सकते हैं और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते नजर आएंगे। सत्ता समीकरण को लेकर एक और बड़ी चर्चा यह है कि बीजेपी को बिहार विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी मिल सकती है। हालांकि इन सभी संभावनाओं को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन सियासी गलियारों में इन चर्चाओं ने हलचल तेज कर दी है। आज जेडीयू के सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों की अहम बैठक बुलाई गई है। यह बैठक आज शाम 5 बजे 1 अणे मार्ग मुख्यमंत्री आवास पर होगी। इस बैठक को राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। क्योंकि हाल के दिनों में राज्य की सियासत में कई तरह की चर्चाएं तेज हैं।

सेमीफाइनल का रोमांच... बराबरी की टक्कर में सिद्ध हुआ 'कैचेस विन मैचेस'

क्रिकेट के खेल में एक कहावत कही जाती है 'कैचस विन मैचेस' फटाफट क्रिकेट के इस युग मे खेल के तरीके और उसके मायने कितने भी बदल जाएं लेकिन इस कहावत की अहमियत क्या होती है इस बात का एहसास कल खेले गए भारत-इंग्लैंड रोमांचक सेमीफाइनल मैच में एक बार फिर हुआ । कैच छोड़ने ओर पकड़ने की वजह से मैच का रुख निर्णायक साबित हुआ। एक ओर जहां इंग्लैंड ने सैमसन व पंड्या के कैच टपकाये,वहीं अक्षर पटेल और तिलक वर्मा ने टीम इंडिया के लिए अहम कैच पकड़कर मैच की बाजी ही पलट दी। अक्षर पटेल और शिवम दुबे के रिले कैच ने तो एक बार फिर 2024 वर्ल्ड कप फाइनल में सूर्या के उस कैच की याद को ताजा कर दिया जिसने टीम इंडिया को विजेता बना दिया था। मतलब साफ है कि जब भिड़ंत बराबरी की हो तो फिर मुकाबले सिर्फ बल्लेबाजी और गेंदबाजी से ही नहीं बल्कि बाजी फील्डिंग से भी पलट सकती है। मुंबई में खेले गये दूसरे सेमीफाइनल में करोड़ों क्रिकेट प्रेमी इसके गवाह बने।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मौजूदा टी 20 वर्ल्ड कप का यह सेमीफाइनल दो बार की चैंपियन टीमों का था, जिसमें कुल 40 ओवर के खेल में 499 रन 34 छक्के देखने को मिले। टी20 फ़ॉर्मेट के नजरिये से ऐसे रिकॉर्ड तोड़ मैच का फैसला जब आखिरी ओवर में हो तो इससे ज्यादा रोमांच और क्या हो सकता है। पहले सेमीफाइनल में हुए एकतरफा खेल के बाद दूसरे सेमीफाइनल में क्रिकेट के चाहने वालों को वह सब देखने मिला जिसकी चाह दर्शकों को थी। इस मैच को लेकर मेरा नजरिया है कि इंग्लैंड के कप्तान का टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला उनके लिए घातक साबित हुआ। वजह एकदम साफ है कि न तो इस मैच में ओस की कोई भूमिका रही और न ही 40 ओवर के खेल में विकेट ने अपना बर्ताव बदला। पहली गेंद से लेकर मैच की अंतिम गेंद तक विकेट पूरी तरह सपाट ही रही। वैसे तो इंग्लैंड टीम के बल्लेबाजों ने आखिरी गेंद तक किला लड़ाया, लेकिन फिर भी स्कोरबोर्ड प्रेशर का लाभ तो टीम इंडिया के लिए फायदेमंद साबित हुआ ही ।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने स्कोरबोर्ड पर जब 253 रन लगा दिये तब शायद किसी ने भी यह सोचा नहीं होगा कि इंग्लैंड टीम मैच को इतना करीब ला सकती है।भले ही टीम इंडिया ने यह मैच जीत लिया हो लेकिन टीम की गेंदबाजी की कलई एक बार फिर खुल गयी है। दरअसल टीम इंडिया के कप्तान और मैनजमेंट की सबसे बड़ी दुविधा ओर समस्या यही है कि गेंदबाजी के तमाम विकल्प (शिकम,अभिषेक और तिलक) होने के बावजूद उनका फोकस 5 गेंदबाजों के इर्दगिर्द ही सिमट कर रह गया है। इन गेंदबाजों में से कोई भी कितने ही रन क्यों न खर्च कर दे, कप्तान कोई जोखिम नहीं ले पा रहे हैं। शायद इसी वजह से कुलदीप यादव को भी टीम इंडिया की एकादश में जगह नहीं मिल पा रही है। खैर, टीम इंडिया के लिहाज से मौजूदा वर्ल्ड कप में अब तक जो हुआ वह सही हुआ क्योंकि टीम जीत हासिल कर रही है। फिर भी मेरे नजरिये में टीम मैनेजमेंट को अभी भी गेंदबाजी यूनिट के लिए आत्ममंथन करना पड़ेगा। यह देखना दिलचस्प रहेगा कि अब तक हुए 8 मैचों में 6 बार पहले बल्लेबाजी कर जीतने वाली टीम इंडिया को अगर फाइनल में पहले गेंदबाजी करना पड़ती है तो वह स्कोरबोर्ड प्रेशर को कैसे झेलती है। हालांकि वेस्टइंडीज के खिलाफ उसने सफल चेस भी किया है लेकिन मौजूदा वर्ल्ड कप में अफ्रीका से मिली एकमात्र करारी शिकस्त भी उसको चेस करते हुए ही झेलनी पड़ी थी। सही मायने में टीम इंडिया की लगातार जीत में बल्लेबाजों का किरदार ही निर्णायक रहा है।

भोपाल मेट्रो को मिली दो नई ट्रेनें, कुल संख्या पहुंची दस

ऑरेंज और ब्लू लाइन शुरू होने से बढ़ेगी शहर की कनेक्टिविटी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेट्रो परियोजना में एक और महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। हाल ही में दो नई मेट्रो ट्रेनें भोपाल पहुंची हैं, जिससे मेट्रो के बेड़े की कुल संख्या बढ़कर 10 हो गई है। जानकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह के भीतर ये दोनों ट्रेनें सुभाष नगर स्थित भोपाल मेट्रो डिपो में पहुंचाई गई हैं।

2023 में आ चुकी थीं 8 ट्रेनें

भोपाल मेट्रो परियोजना के लिए वर्ष 2023 में आठ मेट्रो ट्रेनें पहले ही शहर पहुंच चुकी थीं। हाल ही में आई दो नई ट्रेनों के साथ अब कुल संख्या 10 हो गई है। फिलहाल इनमें से केवल दो ट्रेनें ही ट्रैक पर संचालित हो रही हैं। बाकी छह ट्रेनें मेट्रो डिपो में खड़ी हैं और इनके संचालन की शुरुआत परियोजना के अगले चरण पूरे होने के बाद की जाएगी। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार ट्रेनों के आने के बाद उनका विस्तृत तकनीकी परीक्षण भी किया जाता है। इस प्रक्रिया में समय लगता है, इसलिए सभी ट्रेनों को तुरंत संचालन में शामिल नहीं किया जाता।

ऑरेंज और ब्लू लाइन के विस्तार पर फोकस

भोपाल मेट्रो परियोजना के तहत ऑरेंज लाइन और ब्लू लाइन के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेट्रो प्रबंधन का लक्ष्य ऑरेंज लाइन के कर्मशियल रन और ब्लू लाइन को जून 2028 तक शुरू करना है। इन दोनों लाइनों के शुरू होने के बाद शहर के अधिक हिस्सों में मेट्रो सेवा उपलब्ध हो सकेगी। इससे बड़ी संख्या में यात्रियों को फायदा मिलेगा और मेट्रो नेटवर्क का दायरा भी बढ़ेगा।

भविष्य के लिए तैयार हो रहा मेट्रो इंफास्ट्रक्चर

भोपाल मेट्रो परियोजना के अंतर्गत कुल 27 मेट्रो ट्रेनों का निर्माण वड़ोदरा स्थित प्लांट में किया जा रहा है। इनमें से 10 ट्रेनें अभी तक भोपाल पहुंच चुकी हैं, जबकि आने वाले समय में 17 और ट्रेनों के आने की संभावना है। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार सुभाष नगर डिपो में ट्रेनों को खड़ा करने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है। भविष्य में जब ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी, तब भी व्यवस्था में किसी प्रकार की समस्या नहीं आएगी।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं मेट्रो कोच

भोपाल मेट्रो में वर्तमान में थ्री-कार सेट यानी तीन कोच वाली ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। भविष्य में यात्री संख्या बढ़ने पर इन्हें छह कोच तक बढ़ाया जा सकता है। बता दें प्रत्येक कोच 22 मीटर लंबा और 2.9 मीटर चौड़ा है। एक कोच का वजन लगभग 42 टन है। ये ट्रेनें पूरी तरह ड्राइवरलेस मोड पर चलने में सक्षम हैं। वर्तमान में इन्हें आटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) मोड पर चलाया जा रहा है।

आर्थिक चुनौतियों के बीच संचालन की तैयारी

फिलहाल भोपाल मेट्रो सीमित आय स्रोतों के कारण कुछ आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है। इसी वजह से प्रबंधन का ध्यान ऑरेंज लाइन के दूसरे चरण के निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने पर केंद्रित है। जब यह चरण पूरा हो जाएगा, तब डिपो में खड़ी ट्रेनों को संचालन में लाया जा सकेगा। साथ ही ब्लू लाइन के विकास पर भी तेजी से काम किया जा रहा है, जिससे शहर की बड़ी आबादी को मेट्रो सेवा का लाभ मिल सके।

बिना ट्रेनिंग बन रहे कैंसर विशेषज्ञ

हमीदिया के लिए डुअल लीनेक नहीं हुआ ऑर्डर हर माह 1500 मरीजों को सिर्फ दे रहे सलाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में हर महीने 1500 से ज्यादा कैंसर मरीज इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, लेकिन यहां रेडिएशन की सुविधा न होने से उन्हें सिर्फ ओपीडी में सलाह मिल रही है। कोबाल्ट मशीन सालों से खराब है, ब्रेकी थेरेपी यूनिट भी बंद पड़ी है और डुअल एनर्जी लीनेक मशीन अब तक ऑर्डर नहीं हुई। नतीजा यह कि मरीजों को रेडिएशन के लिए एम्स या निजी कैंसर अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि छात्रों को भी क्लिनिकल एक्सपोजर नहीं मिल पा रहा। जबकि दावा है कि नया रेडिएशन बंकर तैयार है और जल्द 25 करोड़ की हाईटेक यूनिट शुरू होगी। बता दें, पुरानी कोबाल्ट मशीन वर्षों से खराब पड़ी है और अब उसे डिकमीशन करने की तैयारी चल रही है। वहीं ब्रेकी थेरेपी मशीन भी पिछले एक साल से बंद है। ऐसे में सर्जरी होने के बाद भी मरीजों को रेडिएशन के लिए अन्य संस्थानों में भेजना पड़ता है। वहीं, जीएमसी की डीन डॉ. कविता एन सिंह ने कहा कि बंकर तैयार है और जल्द ही मशीनें इंस्टॉल की जाएंगी।

निजी अस्पताल ही मरीजों के पास विकल्प

रेडिएशन की जरूरत वाले मरीजों को या तो एम्स या निजी कैंसर अस्पतालों में जाना पड़ रहा है। एम्स में पहले से भारी भीड़ है, जिससे लंबी वेटिंग का सामना करना पड़ता है। यदि मरीज निजी अस्पताल का रुख करता है, तो उसे डेढ़ से दो लाख रुपये तक का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह बड़ा संकट है।

छात्रों को नहीं मिल रहा मरीजों का अनुभव

स्थिति का असर मेडिकल शिक्षा पर भी पड़ रहा है। नेशनल मेडिकल कमीशन ने पिछले सत्र में जीएमसी की ऑन्कोलॉजी की चारों पीजी सीटों की मान्यता रद्द कर दी थी। बाद में इस सत्र में सीटें बहाल की गईं, क्योंकि कॉलेज प्रशासन ने जल्द नई लीनेक मशीन स्थापित करने का आश्वासन दिया था। मशीन अब तक ऑर्डर नहीं होने से पीजी छात्रों को रेडिएशन थेरेपी का व्यावहारिक अनुभव नहीं मिल पा रहा। डॉक्टरों ने कहा इस संबंध में प्रबंधन को पत्राचार के जरिए अवगत कराया गया है।

पांच कॉलेजों में मशीन, जीएमसी पीछे

प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेजों के लिए डुअल लीनेक मशीनें प्रस्तावित थीं। जानकारी के अनुसार, चार अन्य कॉलेजों के लिए मशीनों के ऑर्डर जारी हो चुके हैं, लेकिन गांधी मेडिकल कॉलेज के लिए अब तक ऑर्डर नहीं हुआ। यह स्थिति राजधानी के सबसे बड़े सरकारी मेडिकल कॉलेज के लिए चिंता का विषय है।

तैयार है हाईटेक रेडिएशन बंकर

दूसरी ओर, जीएमसी और हमीदिया अस्पताल प्रशासन का दावा है कि कैंसर उपचार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। रेडिएशन बंकर पूरी तरह तैयार है और एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (श्वत्रक्ष) के मानकों के अनुसार बनाया गया है। यह बंकर तीन मीटर मोटी ठोस कंक्रीट की दीवारों और विशेष शील्डिंग से तैयार किया गया है, ताकि हाई एनर्जी रेडिएशन सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया जा सके। आसपास की दीवारें भी डेढ़ मीटर मोटी हैं। जल्द ही श्वत्रक्ष की टीम निरीक्षण करेगी और हरी झंडी मिलने के बाद मशीन इंस्टॉल की प्रक्रिया शुरू होगी।

25 करोड़ की डुअल एनर्जी लीनेक यूनिट

हमीदिया अस्पताल में करीब 25 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक डुअल एनर्जी लीनेक मशीन लगाने की योजना है। यह मशीन दो प्रकार की रेडिएशन ऊर्जा के जरिए ट्यूमर पर सटीक प्रहार करती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तकनीक में रेडिएशन सीधे कैंसर कोशिकाओं पर असर करता है और स्वस्थ ऊतकों को कम नुकसान पहुंचता है। सिर्फ लीनेक ही नहीं, यहां पेट-सीटी स्कैन यूनिट और नई ब्रेकी थेरेपी सुविधा भी शुरू की जाएगी। पेट-सीटी स्कैन से कैंसर की स्टेजिंग और फैलाव का सटीक पता चलेगा। यदि ये सुविधाएं शुरू होती हैं, तो भोपाल के साथ-साथ आसपास के जिलों के मरीजों को भी बड़ा लाभ मिलेगा।आईसीएमआर की कैंसर रजिस्ट्री के अनुसार, मध्यप्रदेश में 1 लाख 54 हजार 567 मरीजों को तत्काल कैंसर उपचार की आवश्यकता है। भोपाल में ही करीब 4350 मरीज हैं। हर महीने प्रदेश में लगभग 3500 मौतें कैंसर के कारण हो रही हैं। ऐसे में राजधानी के प्रमुख मेडिकल कॉलेज में रेडिएशन सुविधा का अभाव न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाता है, बल्कि यह मरीजों और छात्रों दोनों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है।

अरेरा कॉलोनी के दस नंबर मार्केट में जनसुविधा का हाल

मोदी के स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाता शौचालय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के सबसे बड़े नए बाजारों में से एक यानि दस नंबर मार्केट के पार्किंग एरिया में बना सुलभ शौचालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान की सरे आम धज्जियां उड़ाता दिख रहा है। इस बाजार क्षेत्र के दुकानदारों से लेकर यहां खरीददारी करने वाले ग्राहकों के लिए जान सुविधा मुहैया कराने वाला यह सुलभ शौचालय साल भर से ज्यादा समय तक जीर्णोद्धार के नाम पर बंद कर दिया गया था। करीब छह महीने में जीणोद्धार हुआ लेकिन इसे इसलिए चालू नहीं कराया गया क्योंकि नगर निगम प्रशासन इसके पुनर्उदघाटन के लिए किसी नेता की प्रतीक्षा कर रहा था। सुलभ कांप्लेक्स बन चुका था, लेकिन उदघाटन के नाम पर इसमें ताले जड़ रखे थे। नतीजा यह हुआ कि लोग लघु शंका समाधान के लिए इसकी आड़ में ही बाहर मूत्र विसर्जन करने लगे जिससे कार पार्किंग इलाके में गंदगी और बदबू फैलने लगी। लेकिन महिलाओं के लिए तो यह विकल्प नहीं हो सकता था। लिहाजा इलाके के दुकानदारों ने इसके ताले तोड़कर खुद ही इसका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। लेकिन इसके संचालन का काम जिनको करना था उन्होंने किसी को भी इसका ठेका नहीं दिया। ठेकेदार मूत्रालय का उपयोग मुफ्त में करने की सुविधा देते हैं और शौचालय के उपयोग पर मामूली शुल्क वसूला जाता है। इसी रकम से वह बिजली पानी और उसकी नियमित साफ सफाई का इंतजाम करता है। अभी हालत यह है कि ठेकेदार के न होने से न तो इसमें प्रकाश के लिए बिजली की कोई व्यवस्था है और न हाथ धोने या शौच के लिए पानी का कोई इंतजाम है। आलम यह है कि इस बदबूदार सुलभ काम्पलेक्स में लोग मूत्रालय का उपयोग करते हैं तो उनकी सांसों में तीखी अमोनिया की गंध भर जाती है। भोपाल को स्वच्छता के मामले में नंबर वन बनाने की जुगत में भिड़े नगर निगम प्रशासन को इस सबकी कोई चिंता नहीं है। यही नहीं ठेका नहीं होने से कुछ रसूखदार जबरिया पार्किंग शुल्क की वसूली भी कर रहे हैं लेकिन निगम प्रशासन की इसकी कोई परवाह हो, ऐसा लगता नहीं है।

करोंद की मैपल ट्री सोसायटी में प्रदर्शन

लोग बोले - डॉग लवर्स झूठी शिकायत कर रहे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जेल रोड करोंद स्थित मैपल ट्री सोसायटी में लोग स्ट्रीट डॉग्स को लेकर लामबंद हो गए। वे कॉलोनी के गेट पर पहुंचे। उन्होंने नगर निगम और डॉग लवर्स के विरुद्ध प्रदर्शन भी किया। हालात को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश दी। लोगों ने चेतावनी दी कि स्ट्रीट डॉग्स की समस्या दूर नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करेंगे। रहवासियों ने बताया कि कॉलोनी में स्ट्रीट डॉग्स को लेकर खासे परेशान हैं। आसपास के इलाकों से यहां पर बड़ी संख्या में डॉग्स आ गए हैं। इससे काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। हाल ही में बुजुर्ग और बच्चों को स्ट्रीट डॉग्स ने काट लिया। इसे लेकर नगर निगम को शिकायत की थी। ऐसा करने पर डॉग लवर्स थाने में रहवासियों के विरुद्ध ही झूठी एफआईआर दर्ज करवा रहे हैं।

बड़े-बच्चों को शिकार बना रहे डॉग्स

सोसायटी के रहवासियों का कहना है कि कई महीने से कॉलोनी में आवारा कुत्तों से परेशान हैं। ये आते-जाते लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। सबसे ज्यादा बुजुर्ग और बच्चे भयभीत है। कइयों को शिकायत बना चुके हैं। रहवासियों द्वारा कई बार प्रशासन एवं नगर निगम में शिकायत करने पर भी डॉग लवर्स के डर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। डॉग लवर्स रहवासियों को धमकाते हैं और उन पर झूठी शिकायतें करते हैं। पुलिस प्रशासन ने 5 दिन का समय मांगा है। कुत्तों की समस्या का समाधान न होने पर रहवासी सड़क जाम करेंगे।

गेट पर ही बैठ गए, पुलिस पहुंची

डॉग्स काटने और झूठी शिकायत करने के विरोध में मैपल ट्री सोसायटी के लोगों का प्रशासन के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा। रहवासियों ने सोसायटी गेट पर ही जाम लगा दिया और जमकर नारेबाजी की।

इन्फ्लुएंसरों की हेल्प से बढ़ेगा एचपीवी वैक्सीनेशन कैंपेन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चल रहा एचपीवी टीकाकरण अभियान अब एक नए डिजिटल अवतार में नजर आएगा। 90 दिनों के भीतर आठ लाख किशोरियों को कवर करने के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का सहारा लेने का निर्णय लिया है। गुरुवार को भोपाल में आयोजित एक विशेष इन्फ्लुएंसर मीट में विशेषज्ञों ने वैक्सीन से जुड़े भ्रमों को दूर करते हुए इसे पूरी तरह सुरक्षित बताया। गांधी मेडिकल कालेज की स्त्री रोग विभागाध्यक्ष डॉ. शबाना सुल्तान ने उन भ्रांतियों को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें कहा जाता है कि वैक्सीन से संक्रमण फैल सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वैक्सीन में मौजूद वायरस मृत होता है, जो केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। वहीं, एनएचएम संचालक डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि प्रदेश में अब तक 9,263 किशोरियों को टीका लग चुका है। यह वैक्सीन पीरियड्स के दौरान भी लगवाई जा सकती है और एनीमिक बच्चियों के लिए भी सुरक्षित है। काटजू अस्पताल की नोडल आफिसर डॉ. रचना दुबे ने बताया कि एचपीवी वायरस स्किन टू स्किन कांटेक्ट व यौन ट्रांसमिशन से फैलता है। यदि महिलाएं वैक्सीनेटेड होंगी, तो पुरुषों में इस वायरस के पहुंचने की संभावना न के बराबर रह जाएगी। भारत में हर मिनट एक महिला की मौत इस कैंसर से हो रही है, जिसे किशोर अवस्था में मात्र एक टीके से रोका जा सकता है।

दुष्कर्म-मतांतरण मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

शिकायत लेकर पहुंची पीड़िताओं को डराया तीन आरोपी फरार, एसआईटी जांच शुरू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में हिंदू युवती और महिला से जुड़े दुष्कर्म और मतांतरण प्रकरण में अब जांच से अधिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। केस दर्ज होने के दस दिन बाद भी तीन प्रमुख आरोपी चानू, बिलाल और यासिर पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। इस बीच पीड़िताओं ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के बजाय डराया और अपमानित किया गया।

शिकायत लेकर पहुंचीं पीड़िताओं को थाने से भगाने का आरोप: पीड़िताओं का आरोप है कि जब वे पहली बार शिकायत लेकर मिसरोद थाने पहुंचीं, तब उन्हें न्याय का भरोसा देने के बजाय उल्टा धमकाया गया। उनका कहना है कि थाना प्रभारी ने शिकायत को गंभीरता से लेने के बजाय उन्हें ही जेल भेजने की धमकी दी।

पीड़िताओं के अनुसार, वे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलने के बाद साहस जुटाकर पुलिस थाने पहुंची थीं। लेकिन वहां उन्हें सहयोग के बजाय अपमान और भय का सामना करना पड़ा। इससे वे बेहद आहत हुईं।

बयान में नामित लोगों पर कार्रवाई नहीं: पीड़िताओं का यह भी आरोप है कि एफआईआर में दर्ज छह आरोपियों के अलावा उन्होंने अपने बयान में कुछ अन्य लोगों के नाम भी स्पष्ट रूप से बताए थे। इसके बावजूद उन व्यक्तियों को अब तक आरोपी नहीं बनाया गया। उनका आरोप है कि दुष्कर्म के मुख्य आरोपियों के सहयोगियों को बचाने की कोशिश की गई। विशेष रूप से मुख्य आरोपी अमरीन और आफरीन की बहन फिजा के पति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

ड्रग पार्टी में दुष्कर्म का आरोप: 30 वर्षीय पीड़िता का कहना है कि फिजा का पति ड्रग पार्टियों का आयोजन करता था। इन पार्टियों में ही उसके साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। पीड़िता ने पुलिस को इस संबंध में विस्तृत बयान दिया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी भी दी। इसके बावजूद अब तक उस व्यक्ति के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

मेट्रो एंकर

कटारा हिल्स में हाउसिंग का बड़ा प्रोजेक्ट

हाउसिंग बोर्ड 34 एकड़ में 186 भूखंड डेवलप करेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स इलाके में एमपी हाउसिंग बोर्ड 34 एकड़ में बड़ा हाउसिंग प्रोजेक्ट डेवलप कर रहा है। यह सैफायर पार्क सिटी प्रोजेक्ट है, जो लहारपुर इकोलॉजिकल पार्क के पास 46 एकड़ में फैला है। 12 एकड़ में पहले से आवासीय भवनों का प्रोजेक्ट है। अब सेकेंड फेज में 34 एकड़ में 186 भूखंड विकसित किए जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के विकास कार्य में आधुनिक सुविधाओं के साथ हरियाली का विशेष ध्यान रखा है।

23 मार्च तक की जा सकेगी बुकिंग

प्रोजेक्ट में हाउसिंग बोर्ड सीवेज ट्रिटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी विकसित करके देगा। ताकि सोसायटी से निकलने वाले दूषित व गंदे पानी का वहीं एसटीपी प्लांट में ट्रीटमेंट करके बागीचों में इस्तेमाल किया जा सके। प्रोजेक्ट में हरियाली के लिए अलग से ग्रीन लैंड पार्सल और सड़क के किनारे पेड़ रखे गए हैं। एसटीपी प्लांट से निकलने वाले पानी से पेड़ों और पार्क की सिंचाई की जाएगी। प्रोजेक्ट में 1300 से लेकर 7000 स्क्वेयर फीट तक के प्लॉट विकसित किए जाएंगे। अभी शुरुआती प्लान के मुताबिक, 1300 स्क्वेयर फीट के 33 प्लाट, 2250 स्क्वेयर फीट के 30 प्लाट, 3 हजार स्क्वेयर फीट के 27 प्लाट, 4500 स्क्वेयर फीट के 62 प्लाट, 7 हजार स्क्वेयर फीट के 34 प्लाट विकसित किए जाएंगे। प्लाट की कीमत 49.40 लाख रुपए से शुरू है। यह सभी प्लाट ई-ऑफर से बेचे जाएंगे। ज्यादा बोली लगाने वाले को प्लाट मिलेगा। 23 मार्च तक बुकिंग होगी।

ये सुविधाएं देगा बोर्ड

अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रिक लाइट, फुटपाथ, चौड़ी सड़कें, सेंट्रल वर्ज, स्विमिंग पूल सोसायटी के बीच में ढाई एकड़ का ओपन स्पेस जैसी तमाम सुविधाएं रहेंगी। प्रोजेक्ट के अनुसार, 12 से 24 मीटर तक की चौड़ी सड़कें रखी गई हैं। इनके साथ फुटपाथ और सेंट्रल वर्ज भी होगा। इस प्रोजेक्ट के बीच में ढाई एकड़ क्षेत्रफल का एक ओपन स्पेस और क्लब हाउस भी है। बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, वॉकिंग ट्रैक के साथ ही इस सोसायटी में एक से डेढ़ एकड़ के 4 ओपन स्पेस भी दिए जाएंगे। एक कमर्शियल स्पेस भी रखा गया है। साथ ही इसमें हरियाली के लिए विशेष प्रावधान भी है।

सरकार की सख्ती : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला कलेक्टर्स को दिए निर्देश

गेहूं उपार्जन में किसानों को ना हो कोई परेशानी, शैक्षणिक संस्थानों का करें औचक निरीक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गेहूं उपार्जन प्रक्रिया में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। जिला कलेक्टर पंजीकृत किसानों में से चिन्हित किसानों के सत्यापन, उपार्जन केन्द्रों पर बारदानों की उपलब्धता और किसानों को समय पर भुगतान के लिए शत-प्रतिशत व्यवस्था सुनिश्चित करें। गेहूं का उपार्जन इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 16 मार्च से 5 मई तक होगा और शेष संभागों जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, शहडोल, चम्बल व सागर में 23 मार्च से 12 मई तक किया जाएगा। किसान अपना पंजीयन 7 मार्च तक करा सकेंगे। सीएम ने मंत्रालय में आयोजित अभियान की राज्य स्तरीय बैठक के बाद जिला कलेक्टर्स से वर्चुअल संवाद में यह निर्देश दिए।

उन्होंने उपार्जन केन्द्रों का समय-सीमा में निर्धारण, उनकी स्थापना और इन केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन कार्य में लगे अमले के उपयुक्त प्रशिक्षण सहित जिला उपार्जन समिति द्वारा नियमित बैठक कर समस्याओं के त्वरित निदान की व्यवस्था की जाए। किसानों को अद्यतन जानकारियां सरलता से उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित हो। सीएम ने जिला कलेक्टर्स को खाड़ी देशों में वर्तमान में निर्मित अप्रत्याशित परिस्थितियों को देखते हुए इन देशों में रह रहे जिले के विद्यार्थियों, नागरिकों के परिवारों से सम्पर्क में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली और वल्लभ भवन मंत्रालय में प्रदेशवासियों की सहायता के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिला स्तर पर ऐसे व्यक्तियों और परिवारों से कलेक्टर्स निरंतर समन्वय और सम्पर्क रखें।

जिला कलेक्टर सुनिश्चित करें सघन मॉनिटरिंग

डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान का अंतिम चरण जारी है। अभियान के अंतर्गत 40 लाख आवेदनों का निराकरण हुआ है। अब 16 मार्च तक जिला स्तरीय शिविर लगना है। विकास और जनकल्याण की इस गतिविधि की जिला कलेक्टर सघन मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें। अभियान में किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो कलेक्टर्स जिले की सभी गतिविधियों में परफार्मेंस और परिणाम देंगे वे ही मैदान में रहेंगे, यह सिद्धांत सभी अधिकारी-कर्मचारियों पर भी लागू होगा। सीएम ने जिलों में वीसी सेटअप के संबंध में आलीराजपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बालाघाट, भोपाल जिलों को तत्काल कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वीसी सेटअप से सभी विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को पंचायत स्तर तक संवाद स्थापित करने में मदद मिलेगी। इससे विकास और जनकल्याण के कार्यों की समीक्षा में सुविधा होगी।

भ्रम फैलाने वाली जानकारियों का तत्काल प्रभाव से किया जाए खंडन

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन और व्यवस्था के संबंध में मिथ्या या भ्रम फैलाने वाली जानकारियों का जिला स्तर पर तत्काल प्रभावी रूप से खंडन किया जाए। सोशल मीडिया के युग में ऐसी गतिविधियों पर त्वरित रूप से वस्तुस्थिति रखना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में शाला और महाविद्यालयीन स्तर पर परीक्षाओं का समय चल रहा है। जिला अधिकारी शैक्षणिक संस्थाओं, छात्रावासों, विश्वविद्यालय परिसरों का आकस्मिक निरीक्षण आवश्यक रूप से करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षाओं का संचालन और आगामी सत्रारंभ निर्विघ्न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला अधिकारियों को जिला स्तर पर नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों से कार्यालयीन समय का पालन करने की अपेक्षा है। इस संबंध में गत दिवस मंत्रालय में कार्यालयीन समय अनुसार उपस्थिति का आकस्मिक निरीक्षण कराया गया था। जिला स्तर पर जिला कलेक्टर्स द्वारा अपने स्तर पर इस प्रकार के निरीक्षण की व्यवस्था की जाए। कार्यालयीन स्टॉफ को दी गई सुविधाएं, उनका अधिकार है, इसके साथ उनसे नियमानुसार कार्य लेना भी सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आकस्मिक निरीक्षण की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी।

भोपाल, इंदौर जैसे बड़े निगम के महापौर पर भी असर पड़ेगा

मप्र में मेयर फंड पर सरकार का ब्रेक

भोपाल में 10 करोड़ सलाना निधि; अध्यक्ष, एमआईसी मेंबर-पार्षदों की दोगुनी हो चुकी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में अगले साल नगर निगम के चुनाव होने हैं। इससे पहले मेयर फंड पर सरकार ने ब्रेक लगाया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कमिश्नर को लेटर लिख साफ कहा है कि वार्षिक बजट में महापौर निधि के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए अबकी बार बजट बनाते समय नियमों का ध्यान रखें।

आदेश के बाद भोपाल, इंदौर जैसे बड़े निगम के महापौर पर भी असर पड़ेगा। भोपाल में पिछले साल बजट में जल, प्रॉपर्टी और ठोस एवं अपशिष्ट पर टैक्स को बढ़ाते हुए जनता पर बोझ डाला गया था तो दूसरी तरफ जनप्रतिनिधि यानी, पार्षद, एमआईसी मेंबर, अध्यक्ष और महापौर की सालाना निधि दोगुनी कर दी गई थी।

लेटर में लिखा- बजट प्रस्ताव में महापौर निधि का प्रावधान नहीं

विभाग के उप सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला ने यह आदेश जारी किया है। जिसमें लिखा कि नगर पालिक निगमों द्वारा अपने बजट में महापौर निधि का प्रावधान किया जाता है। मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के अध्याय 7 नगर पालिक निधि के प्रावधान वर्णित है।

जिसमें वित्तीय वर्ष में निगम की प्राप्तियों एवं आय का अनुमान पत्रक (बजट प्रस्ताव) में महापौर निधि के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। इसके तहत बजट तैयार करते समय मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 एवं मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम (लेखा एवं वित्त) नियम 2018 में दिए गए प्रावधान के अनुसार ही कार्रवाई की जाए।

नगर निगम में जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग राशि

भोपाल में महापौर के अलावा अध्यक्ष, एमआईसी मेंबर, पार्षद और जोन अध्यक्ष की भी निधि है। पिछले बजट में यह दोगुनी कर दी गई थी। जैसे महापौर की 5 की जगह 10 करोड़ रुपए की गई थी। वहीं, अध्यक्ष की 5 करोड़, एमआईसी मेंबर की 1 करोड़ रुपए, पार्षद की 50 लाख रुपए और जोन अध्यक्ष की 10 लाख रुपए निधि रही।विभाग के लेटर के बाद अगले बजट में महापौर, अध्यक्ष समेत अन्य जनप्रतिनिधि अपनी निधि रखेंगे या नहीं, इसे लेकर संशय की स्थिति है।

पुष्यमित्र भार्गव बोले- राशि हमें ही तय करनी होती है

इंदौर मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि नगर निगम के बजट में से महापौर निधि की राशि हमें ही तय करनी होती है। पिछली बार सालभर के लिए यह राशि 10 करोड़ रुपए निर्धारित की गई थी। ग्वालियर में वर्तमान में महापौर निधि 6 करोड़ रुपए है। यहां नगर निगम का बजट 28 फरवरी को पेश हो चुका है, जिसमें महापौर निधि को बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं, जबलपुर नगर निगम में महापौर निधि के रूप में सालाना 10 करोड़ रुपए निर्धारित हैं।

इन कामों के लिए उपयोग करते हैं फंड | भोपाल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर निगम का 3600 करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश हुआ था। इस दौरान महापौर की निधि 10 करोड़ रुपए तय की गई। इससे पहले यह 5 करोड़ रुपए रखी गई थी।जानकारों की माने तो महापौर इस राशि से डेवलपमेंट के काम करवाते हैं। शहर के किसी भी वार्ड में यह कार्य किए जा सकते हैं, लेकिन यह नियमानुसार ही करना होता है। ऐसा ही निगम अध्यक्ष और एमआईसी मेंबर के लिए भी होता है। पार्षद को अपने वार्ड में काम करवाने का अधिकार होते हैं।

आदेश को लेकर हैरान जनप्रतिनिधि

यह आदेश विभाग के उप सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला ने निकाला है। ये आदेश सिर्फ महापौर के लिए लागू है? या फिर अध्यक्ष, एमआईसी मेंबर और पार्षदों के लिए भी? इसलिए उप सचिव शुक्ला से चर्चा करना चाहिए, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। दूसरी ओर, जनप्रतिनिधि आदेश से हैरान है। उनका कहना है कि नगर निगम लोकल बॉडी होती है यानी, स्वायत्त संस्था। उसके पास निधि को लेकर अधिकार होते हैं।

अभी बजट हो रहे तैयार

प्रदेश में कुल 10 नगर निगम है। जिसमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन बड़े निगम माने जाते हैं। ग्वालियर में 28 फरवरी को बजट पेश हो चुका है। ग्वालियर में महापौर की महापौर निधि वर्तमान में 6 करोड़ रुपए हैं। जिसे अगले वित्तीय वर्ष 10 करोड़ रुपए करने प्रस्ताव लाया गया है। अन्य निकायों में भी फंड बढ़ाने की कवायद की जा रही है। यह आदेश उस समय आया, जब प्रदेश के ज्यादातर नगर निगम में बजट आना बाकी है। यदि आदेश का पालन किया जाता है तो महापौर के लिए फंड नहीं रखा जा सकेगा।

एमपी के आदिवासी क्षेत्रों में समग्र विकास कार्यों पर जोर

89 आदिवासी विकासखंडों में सिंचाई परियोजनाओं के लिए 3 साल की कार्ययोजना मांगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

डॉ. मोहन यादव सरकार आदिवासी क्षेत्रों में विकास कार्यों को बढ़ावा देने के लिए मंत्रियों के माध्यम से प्रस्ताव मंगाकर उन्हें मंजूरी देगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई और रोजगार पर फोकस करेगी। इसी तारतम्य में जल संसाधन विभाग ने प्रदेश के सभी आदिवासी विकासखंडों में सिंचाई परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। विभाग ने इन विकासखंडों में तीन साल में कराए जाने वाले कार्यों की कार्य योजना मांगी है। प्रमुख अभियंता जल संसाधन विनोद देवड़ा ने विभाग के सभी मुख्य अभियंताओं, परियोजना संचालकों को लिखे पत्र में कहा है कि आदिवासी विकासखंडों में सिंचाई सुविधा के लिए अगले तीन वर्ष की कार्ययोजना तैयार कर भेजना है। यह काम तीन दिन में करना है। देवड़ा ने फील्ड अफसरों से कहा है कि मंत्री तुलसी सिलावट ने यह कार्ययोजना मांगी है। जिसे प्राथमिकता में लेकर प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाए।

इन 89 विकासखंडों के लिए मांगी कार्ययोजना

जल संसाधन विभाग ने जिन 89 विकासखंडों के लिए कार्ययोजना मांगी है। उसमें इन जिलों के विकासखंड शामिल हैं।

अलीराजपुर जिले के जोबट, कट्?ठीवाड़ा, अलीराजपुर, उदयगढ़ और भाबरा, सोंडवा।

डिंडौरी जिले के डिंडौरी, अमरपुर, समनापुर, करंजिया, मेहंदवानी और बजाग।

अनूपपुर जिले के अनूपपुर, कोतमा, पुष्पराजगढ़।

बैतूल जिले के आठनेर, शाहपुर, भैंसदेही, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी और बैतूल।

धार जिले के धार, कुक्षी, सरदारपुर, धरमपुरी, निसरपुर, गंधवानी, बाग, डही, मनावर, नालछा, तिरला, उमरबन।

बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा, परसवाड़ा।

बड़वानी जिले के बड़वानी, सेंधवा, निवाली, पानसेमल, राजपुर, पाती, ठीकरी।

मंडला जिले के निवास, बीजाडांडी, बिछिया, घुघरी, मंडला, मोहगांव, नैनपुर, नारायण गंज, मावई।

खरगोन जिले के भीकनगांव, भगवानपुरा, खरगोन, महेश्वर, सेगांव, झिरन्या, गोगावा।

छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव, बिछुआ, हर्रई, तामिया।

इन जिलों के आदिवासी क्षेत्रों से भी मांगे प्लान

शहडोल जिले के जैतहरी, बुढ़ार, गोहपारू, सोहागपुर, जयसिंहनगर।

सिवनी जिले के छपारा, धनोरा, घंसौर, कुरई, लखनादौन।

झाबुआ जिले के झाबुआ, मेघनगर, पेटलावद, रामा, राणापुर, थांदला।

श्योपुर जिले के कराहल।

होशंगाबाद के केसला। बुरहानपुर के खकनार। खंडवा के खालवा।सीधी जिले के कुसमी। उमरिया जिले के पाली।रतलाम जिले के बाजना, सैलाना।

वन विभाग से मंजूरी में देरी बनी रोड में रोड़ा

48 सड़क परियोजनाएं 117 से 1838 दिन तक लटकी रहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सड़क निर्माण कार्यों में वन विभाग से आवश्यक स्वीकृति समय पर नहीं मिलने के कारण प्रदेश में 48 परियोजनाओं में बड़ी देरी हुई है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में इसे प्लानिंग समन्वय की कमी का परिणाम बताया गया है। कैग रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2023 से जून 2024 के बीच 16 संभागों में समीक्षा के दौरान पाया गया कि वन विभाग से अनुमति, भूमि विवाद, अतिक्रमण और यूटिलिटी शिफ्टिंग में देरी के कारण 48 कार्यों को पूरा होने में 117 से लेकर 1,838 दिनों तक का अतिरिक्त समय लगा। यानी कई दिनों तक काम लटका रहा। इसमें

अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है, जिन्होंने बिना अनुमति के ही काम शुरू कर दिया। इससे समय ज्यादा लगने के साथ ही लागत भी बढ़ी।

मध्यप्रदेश निर्माण विभाग नियमावली और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत वन भूमि के डायवर्जन के लिए भारत सरकार से पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है। इसके बावजूद कई कार्य आवश्यक मंजूरी सुनिश्चित किए बिना शुरू कर दिए गए। ऑडिट रिपोर्ट में साफ किया कि इस प्रकार की कार्यप्रणाली से न केवल समय और लागत में वृद्धि हुई, बल्कि परियोजनाओं की प्रभावशीलता भी प्रभावित हुई। रिपोर्ट के अनुसार भोपाल नगर निगम सम्मेलन (जून 2025) में शासन ने राजस्व और वन विभाग के बीच अधिकार क्षेत्र के स्पष्ट नहीं होने की बात स्वीकार की और जांच के बाद सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बिना पूर्व स्वीकृति कार्य शुरू करना प्लानिंग की कमी को दर्शाता है। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए सख्त अनुपालन जरूरी है।

पोषण आहार पर प्रतिवर्ष करीब 1400 करोड़ रुपए खर्च

पिछले वर्ष गंभीर कुपोषित 7.37 लाख में से आधे भी बच्चे नहीं उबर पाए कुपोषण से

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी जिलों से अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संकलित की गई जानकारी डराने वाली है। वर्ष 2025 में अति गंभीर कुपोषित की श्रेणी में आए सात लाख 37 हजार बच्चों (छह वर्ष तक उम्र के) में से तीन लाख 63 हजार सामान्य नहीं हो पाए हैं। यानी, चिह्नित करने के बाद भी इन्हें कुपोषित की श्रेणी से बाहर नहीं लाया जा सका है। मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत इन्हें चिह्नित किया गया है। आंकड़े बताते हैं कि स्थिति सुधरने की जगह बिगड़ी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-पांच की 2019 से 2021 के बीच रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 35.7 प्रतिशत बच्चे ठिगनापन (अविकसित) के शिकार थे।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण ट्रैकर डैशबोर्ड के अनुसार जनवरी 2026 में यह आंकड़ा 38 प्रतिशत तक पहुंच गया है। कुपोषण की तीन श्रेणियों में यह सबसे गंभीर मानी जाती है।

प्रतिवर्ष लगभग 1400 करोड़ रुपये खर्च- विशेषज्ञों का कहना है कि ठिगने बच्चों को मानसिक विकास भी सामान्य बच्चों की तरह नहीं हो पाता। यह स्थिति तब है जब राज्य सरकार पोषण आहार पर प्रतिवर्ष लगभग 1400 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

2017 से नहीं बढ़ी पोषण की राशि- आंगनबाड़ी केंद्रों में दिए जाने वाले पूरक पोषण आहार की दर बीते आठ वर्षों से नहीं बढ़ाई गई है। सामान्य कुपोषित श्रेणी के बच्चे को अब भी मात्र आठ रुपये प्रतिदिन और अति गंभीर कुपोषित बच्चे को 12 रुपये प्रतिदिन की दर से पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। अंतिम बार वर्ष 2017 में इन दरों में वृद्धि की गई थी।

मप्र सबसे खराब पांच राज्यों में शामिल

वहीं, एनएफएचएस- पांच में उम्र के अनुसार कम वजन (दुबलापन) वाले बच्चे 33 प्रतिशत थे जो पोषण ट्रैकर की जनवरी की रिपोर्ट में 22 प्रतिशत हैं। यानी इसमें सुधार आया है, पर अन्य राज्यों से तुलना करें तो मध्य प्रदेश सबसे खराब पांच राज्यों में शामिल है।

हां, दुबलापन यानी ऊंचाई के अनुसार कम वजन वाले बच्चों की स्थित सुधरी है। एनफएएचएस-पांच में यह 19 प्रतिशत था जो पोषण ट्रैकर के अनुसार अब सात प्रतिशत है। हालांकि, पोषण ट्रैकर के अनुसार राष्ट्रीय औसत से तुलना करें तो मध्य प्रदेश की स्थिति अच्छी नहीं है।

ठिगनापन का राष्ट्रीय औसत 31, कम वजन का 13 और ऊंचाई के अनुसार कम वजन वालों का चार प्रतिशत है। हालांकि, कुछ बच्चे ऐसी भी हो सकते हैं जो कुपोषण की दो या तीन श्रेणी में हों।

महंगाई राहत अवधि में कटौती से प्रदेश के पेंशनरों में गुस्सा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के शासकीय सेवकों को 1 जुलाई 25 से एवं पेंशनरों को 1 जनवरी 26 से 3 फ़ीसदी महंगाई राहत देने की घोषणा को लेकर प्रदेश के लगभग 4.40 लाख पेंशनरों ने नाराजगी व्यक्त की है । पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शासकीय सेवकों के 6 माह बाद पेंशनरों पर महंगाई के प्रभाव का आकलन करना पेंशनरों के संवैधानिक अधिकारों का हनन है । प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने पश्चिम बंगाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के महत्वपूर्ण निर्णय का हवाला देते हुए मध्य प्रदेश

एवं छग के मुख्य सचिव एवं वित्त विभाग को पत्र लिखकर नुरोध किया था कि प्रदेश के पेंशनरों को दी जाने वाली महंगाई राहत की अवधि में अनाधिकृत कटौती संवैधानिक नहीं है। महंगाई राहत पेंशनरों का कानूनी अधिकार है यह कोई अतिरिक्त फायदा (बोनस) नहीं है। सक्सेना ने मुख्यमंत्री से भेदभाव समाप्त करने की मांग की है । लगातार पेंशनरों की महंगाई राहत अवधि में अनाधिकृत कटौती से प्रदेश के पेंशनरों में भारी आक्रोश है ।

मेट्रो एंकर | **मध्य प्रदेश में स्मारक और संग्रहालयों के लिए अब ऑनलाइन बुकिंग**

तीस फीसदी तक बढ़ गई आवेदन करने वालों की संख्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में स्थित स्मारक और संग्रहालयों के लिए टिकट की बुकिंग ऑनलाइन होने से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। पहले के मुकाबले 30 फीसदी आवेदन ज्यादा आ रहे हैं। मध्य प्रदेश में धरोहर स्थलों की कोई कमी नहीं है और कोरोना काल के बाद इन स्थलों की लोकप्रितयता भी बढ़ी है।

राज्य पुरातत्व विभाग के राज्यभर में स्थित विभित्र विरासत स्थलों को प्री-वेडिंग शूट, फोटोग्राफी,वीडियोग्राफी, ड्रोन शूट आदि के लिए बहुत पसंद किया जा रहा है। पहले संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय द्वारा मैन्युअल अनुमति प्रदान की जाती थी। आवेदन पहले स्थानीय कार्यालय और

फिर मुख्यालय आते थे। इस प्रक्रिया को आसान बनाते हुए संचालनालय द्वारा अनुमतियों को मंजूरी देने के लिए ऑनलाइन पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे अनुमति प्राप्त कर सकते हैं। अब लोगों को कार्यालय के चक्कर नहीं लगाना पड़ रहे हैं। इसके के साथ ही संचालनालय द्वारा ई-गवर्नेंस सेवाओं में वाट्सएप चैटबाट शुरू किया गया है, जिसके माध्यम से आम नागरिक घर बैठे संग्रहालय और स्मारकों का भ्रमण करने के लिए टिकट बुक कर सकते हैं। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय के उप संचालक और आईटी प्रभारी नीलेश लोखंडे ने बताया कि साधारण टिकट की बुकिंग ऑनलाइन और मैन्युअल दोनों माध्यम से हो रही है, लेकिन फिल्म शूटिंग, प्री व पोस्ट वेडिंग शूट और ड्रोन शूटिंग की अनुमति अब सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से हो रही है। ऑनलाइन सिस्टम लागू होने के बाद जहां बुकिंग करने वालों को सुविधा हो रही है। उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। इससे आवेदनों की संख्या में 25 से 30 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। वहीं विभाग के कार्य में भी पारदर्शित आई है और राजस्व बढ़ा है।

यहां करें अपने आवेदन

ऑनलाइन अनुमति प्राप्त करने के लिए विभागीय वेबसाइट ड्डह्लह्लश्चह्यश्च्4.द्बश्च.द्दश्1.द्बह्व के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही आनलाइन टिकट वाट्सअप चैटबाट नंबर 91-9522840076 से बुक किया जा सकता है।उल्लेखनीय है कि राज्य पुरातत्व के अधीन मध्य प्रदेश में वर्तमान करीब पांच सौ संरक्षित स्मारक, जिनमें छोटे-बड़े मंदिर, गुफाएं, किले, छत्रियां और महल आदि मौजूद हैं।वहीं 45 संग्रहालय हैं,जहां इस तरह की मांग लगातार बनी रहती है।

मधुमेह के उपचार की दिशा में उपलब्धि

स्टेम सेल थेरेपी से टाइप-2 डायबिटीज को पूरी तरह से रिवर्स करने में चीनी वैज्ञानिकों को मिली कामयाबी को अगर दुनिया से मधुमेह के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक कदम कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। डायबिटीज (मधुमेह) एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में अब तक यही कहा जाता था कि यह एक बार हो जाए, तो मरते दम तक साथ नहीं छोड़ती। इसीलिए चीनी वैज्ञानिकों के नए प्रयोग को रीजेनरेटिव मेडिसिन में नया युग माना जा रहा है। स्टेम सेल थेरेपी के चार चरण होते हैं जिसमें मरीज के परिजनों से पहले स्टेम सेल लिया जाता है, फिर इन स्टेम सेल के डीएनए में विशेष रासायनिक जेनेटिक प्रसंस्करण किया जाता है, इसके बाद स्टेम सेल जब बीटा सेल में तब्दील हो जाती है तो उन्हें साथ विकसित करके स्वस्थ पैंक्रियाटिक ऊतकों का गुच्छा तैयार किया जाता है और अंत में इंसुलिन बनाने वाले इन गुच्छों को मरीज के पैंक्रियाज में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। इस थेरेपी का प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है और अगर यह तकनीक बड़े पैमाने पर सफल होती है तो इसमें कोई शक नहीं कि यह दुनिया भर में डायबिटीज के करोड़ों मरीजों के लिए एक स्थायी, व्यक्तिगत और दर्द-मुक्त समाधान साबित होगी। डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसके मरीजों में हार्ट अटैक, स्ट्रोक और उच्च रक्तचाप का खतरा काफी बढ़ जाता है। यह अंधापन (डायबिटिक रेटिनोपैथी), मोतियाबिंद या ग्लूकोमा जैसी समस्याओं का कारण भी बन सकता है। शुगर का उच्च स्तर किडनी की रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, जिससे किडनी फेलियर (डायबिटीज नेफ्रोपैथी) की नौबत तक आ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय मधुमेह महासंघ (आईडीएफ) के वर्ष 2025 के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में लगभग 589-590 मिलियन (59 करोड़) लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। इसका मतलब है कि वैश्विक आबादी के हर नौ में से एक व्यक्ति इससे पीड़ित है। चिंता की बात यह है कि इनमें से आधे (लगभग 252 मिलियन) लोगों को पता ही नहीं है कि उन्हें यह बीमारी है। परिणामस्वरुप बीमारी के शुरुआती दौर में वे इसे रोकने के लिए एहतियाती कदम उठा ही नहीं पाते और जब तक उन्हें इसका पता चलता है, तब तक यह गंभीर रूप धारण कर चुकी होती है। लेकिन डायबिटीज के इलाज का कारगर उपाय मिलने का यह मतलब नहीं है कि हम डायबिटीज होने के कारणों को ही नजरंदाज कर, खान-पान में स्वच्छंदता बरतने लगें। अगर हम अपनी जीवनशैली को अनुशासित करना नहीं सीखेंगे तो एक बीमारी का इलाज भले ही मिल जाए लेकिन दूसरी बीमारी का प्रादुर्भाव होते देर नहीं लगेगी।

तेहरान के मलबे तले दब गया दिल्ली का रास्ता गजवे का सपना तक़दीर में नहीं, सिर्फ तक़रीर में

मनोज श्रीवास्तव
चिंतक - विचारक

कुछ पाकिस्तानी मस्जिदों की अंधेरी गलियों में, ज़ैद हामिद जैसे उग्रवादियों के जोशीले भाषणों में, और जैश-ए-मोहम्मद (JeM) तथा लश्कर-ए-तैयबा (LeT) जैसे संगठनों के गुप्त मेनिफेस्टो में, ग़ज़वा-ए-हिंद का भविष्यवाणी वाला सपना लंबे समय से चलता रहा है। इस विजय में इस्लामी शासन सिंधु से गंगा तक और उससे आगे फैलने की बात कही जाती है। मुख्यधारा के इस्लामी विद्वान इन हदीसों को कमजोर, गढ़ा हुआ या ऐतिहासिक संदर्भ (शायद पुरानी फारसी या अन्य लड़ाइयों) मानते हैं, लेकिन कट्टरपंथी इसे जिहादी भर्ती, कश्मीर में सीमा-पार हमलों और पाकिस्तान में एकजुट करने वाली मिथक के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

उनके लिए ग़ज़वा-ए-हिंद सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि नियति है। यह विभाजन के अधूरे काम, पूर्वी पाकिस्तान के नुकसान, कश्मीर की 'कब्जे' की पीड़ा का बदला और पाकिस्तानी सेना तथा वैश्विक मुस्लिम स्वयंसेवकों द्वारा पूर्व की ओर पवित्र मार्च का वादा करता था। लेकिन अयातुल्लाह अली खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका-इज़राइल हमलों में हत्या के बाद शुरू हुए ईरान-अरब-इज़राइल-अमेरिका युद्ध के कुछ दिनों में, यह सपना तबाह हो चुका है। इस युद्ध - जिसमें सैकड़ों मौतें हुई हैं, क्षेत्रीय तेल प्रवाह ठप हो गया है और मध्य पूर्व का नक्शा बदलने का खतरा पैदा हो गया है– ने ग़ज़वा-ए-हिंद को सिर्फ टाला नहीं, बल्कि घातक और शायद स्थायी झटका दे दिया है। कट्टरपंथियों की नजर में यह कोई अस्थायी रुकावट नहीं, बल्कि ईश्वरीय परीक्षा या भू-राजनीतिक जाल है। पर यह युद्ध पैन-इस्लामी एकता और पाकिस्तान की रणनीतिक भ्रम की कमजोरी उजागर कर रहा है। इस युद्ध ने ग़ज़वा-ए-हिंद के भौतिक, कूटनीतिक, वैचारिक और सैन्य आधारों को चूर-चूर कर दिया है, इसे दशकों, शायद हमेशा के लिए असंभव कल्पना बना दिया है।

इस झटके को समझने के लिए युद्ध की तेजी से फैलती तबाही को जानना जरूरी है। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इज़राइल ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी (कुछ पश्चिमी मीडिया का नाम) में तेहरान में खामेनेई (86 वर्ष) को उनके परिसर में मार गिराया, साथ ही प्रमुख IRGC कमांडर, रक्षा मंत्री और परिवार के सदस्य भी मारे गए। ईरानी मीडिया ने 'शहादत' की पुष्टि की, जिससे 40 दिनों का शोक शुरू हुआ। बदला तुरंत आया: ईरानी मिसाइलें और ड्रोन इज़राइल, बहरीन, कतर, कुवैत, सऊदी अरब और UAE में अमेरिकी ठिकानों पर गिरे। हिजबुल्लाह ने लेबनान से हमला किया। 2-3 मार्च तक युद्ध फैल गया। इज़राइल-अमेरिका ने नतांज न्यूक्लियर साइट्स, एयर डिफेंस और तेल सुविधाओं पर बमबारी की। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य बंद कर दिया, वैश्विक तेल कीमतें 150 डॉलर/बैरल से ऊपर पहुंच गईं।

ग़ज़वा-ए-हिंद के स्वप्नजीवियों के लिए ईरान 'प्रतिरोध' का अग्रदूत था। पाकिस्तानी जिहादी सर्कल में पश्चिम और इज़राइल के खिलाफ रोमांटिक सहयोगी था - शिया-सुन्नी तनाव के बावजूद। पाकिस्तान की आधिकारिक निंदा, सड़क प्रदर्शन और PTI-धार्मिक दलों की एकजुटता मुस्लिम एकता का संकेत लगती थी। लेकिन अब यह उन्हें भी समझ आ रहा है कि यह कोई भारत-विरोधी जिहाद नहीं, बल्कि संप्रदायिक कसाईखाना और आर्थिक ब्लैक होल है, जो पाकिस्तान का अभियान से पहले ही खून बहा देगा। सबसे बड़ा और सबसे घातक झटका आर्थिक है। पाकिस्तान की कमजोर अर्थव्यवस्था पहले से IMF बेलआउट पर टिकी थी। मुद्रास्फीति 25-30% थी। विदेशी मुद्रा भंडार 10 अरब डॉलर के आसपास था। यह अर्थव्यवस्था अब युद्ध के प्रभाव से नष्ट हो चुकी है। होर्मुज संकट से वैश्विक तेल व्यापार का 20% प्रभावित हुआ है पर पाकिस्तान 80-85% कच्चा तेल खाड़ी से आयात करता है। कीमतें 40-50% बढ़ गई हैं। ईंधन, परिवहन और भोजन में हाइपरइन्फ्लेशन हुआ है। सऊदी अरब, UAE, कतर, कुवैत में 3-4 मिलियन पाकिस्तानी प्रवासियों से आने वाली रेमिटेंस (30+ अरब डॉलर सालाना) अब ढह रही हैं। खाड़ी अर्थव्यवस्थाएं ईरानी ड्रोन हमलों और अमेरिकी प्रतिबंधों से हिली हैं। प्रवासी काम छोड़कर भाग रहे हैं; बैंक ट्रांसफर फ्रीज हो गए हैं। ग़ज़वा-ए-हिंद के समर्थकों के लिए यह विनाशकारी है। भारत पर उन्हें बड़े पैमाने का अभियान चाहिए: आधुनिक टैंक, ड्रोन, साइबर क्षमता, महीनों की लॉजिस्टिक्स। रक्षा बजट (GDP का 2.5-3%) पहले से तंग था। अब दो मोर्चों का बोझ आ गया था। युद्ध से पहले पूर्वी फोकस (भारत के खिलाफ) पश्चिमी स्थिरता से संभव था। अब ईरान/अफगानिस्तान से शरणार्थी लहरें (कई मिलियन अफगान पहले से KPK में बोझ), सीमा झड़पें, कराची-लाहौर में हिंसक प्रदर्शन - संसाधन पश्चिम की ओर बह रहे हैं। स्टॉक मार्केट 15% गिरा, करेंसी रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। IMF बातचीत रुकी हुई है। अस्पतालों में दवाइयां नहीं, बिजली ग्रिड फेल है। दिवालिया राज्य 'ईश्वरीय मार्च' कैसे फंड करेगा? भारत की अर्थव्यवस्था (रूस, अमेरिकी शेल से विविध ऊर्जा) 7% विकास पर, पाकिस्तान नेगेटिव में चल रहा है। हिंदू 'दुश्मन' मजबूत हो रहा है, मुस्लिम अग्रदूत भूखा मर रहा है।

सैन्य ओवरस्ट्रेच और दो-मोर्चे का दु:स्वप्न: बड़ी समस्या खड़ी कर गया है, जिससे ग़ज़वा-ए-हिंद आत्मघाती हो गया है। पाकिस्तान की परमाणु-सशस्त्र 6.5 लाख की सेना भारत की 14 लाख सेना और बेहतर वायुसेना से कमजोर थी और हमेशा पूर्वी फोकस पर निर्भर थी। अब पश्चिमी सीमा (ईरान अराजक, तालिबान अफगानिस्तान अनिश्चित) पर डिवीजन शिफ्ट हो रही हैं - बलूचिस्तान, सिंध में अतिरिक्त तैनाती। पहले से तंग पाकिस्तान वायुसेना (F-16/JF-17), अब पूर्व-पश्चिम विभाजन नहीं कर सकती।

जिहादी फोरम में यह सच्चाई फुसफुसाई जा रही है: पहले के वॉरगेम्स में तेज कश्मीर थ्रस्ट की कल्पना थी। अब अमेरिका-इज़राइल ने ईरान के ऊपर आकाश पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। पाकिस्तानी एडवेंचरिज्म अमेरिकी गुस्से को न्योता देगा। ट्रंप ने 'अराजकता का फायदा उठाने' वाले सहयोगियों को चेतावनी दी। पाकिस्तान का परमाणु सिद्धांत (पूर्ण-स्पेक्ट्रम डिटरेंस) अब खतरा बन गया - जब अमेरिका 'फॉरएवर वॉर' में है, तो एस्केलेशन लैडर छोटी हो जाती है। उधर भारत LoC और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चुपके से मोबिलाइजेशन कर रहा है। दिल्ली की तटस्थता (QUAD, इज़राइल से गहराते संबंध - ड्रोन, मिसाइल को-प्रोडक्शन) पाकिस्तान की थकान का इंतजार कर रही है। गज़वे की भविष्यवाणी वाली सेनाएं इकट्ठी भी नहीं हो सकतीं। ग़ज़वा की बजाय पाकिस्तान घिस रहा है - होर्मुज पर ड्रोन गिराए जा रहे हैं। चीनी उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स पर प्रतिबंध लग गये हैं। 1 लाख मुजाहिदीन का सपना शुरू होने से पहले ही टूट गया। कूटनीतिक रूप से युद्ध ने उस पैन-इस्लामवाद का खोखलापन उजागर कर दिया है जो ग़ज़वा-ए-हिंद के लिए जरूरी माना गया है। सऊदी अरब और UAE (पाकिस्तान के प्रमुख ऋणदाता/निवेशक) तटस्थ या चुपके से अमेरिका-इज़राइल के साथ रहे हैं। अब्राहम एकॉर्ड्स के फायदे और तेल स्थिरता को प्राथमिकता देते रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार रियाद-अबू धाबी ने अमेरिकी लॉजिस्टिक्स की मदद की। खामेनेई की मौत और संभावित शासन बदलाव (अंतरिम परिषदें बन रही हैं) से 'प्रतिरोध अक्ष' ढह रहा है। हिजबुल्लाह लेबनान में खून बहा रहा, हूती यमन में साइडलाइन में वही कर रहा है। सुन्नी अरब राज्य पाकिस्तान की 'जिहाद' भाषा से सतर्क (ब्लोबैक का डर) हो गया है। चीन ऑल-वेदर फ्रेंड था पर अब हेज कर रहा है। उसे CPEC बाधित होने का खतरा बढ़ गया है।वह डी-एस्केलेशन की अपील कर रहा है। अमेरिका गाजर (ऋण राहत?) और डंडा (FATF ग्रे-लिस्ट) दोनों दिखा रहा है। ग़ज़वा-ए-हिंद के विचारकों के लिए यह स्थिति जहर है। भविष्यवाणी एकजुट उम्माह की कल्पना करती है। लेकिन युद्ध ने मुस्लिम बनाम मुस्लिम कर दिया। ईरानी मिसाइलें अरब भूमि पर गिर रहीं। पाकिस्तानी प्रदर्शन खाड़ी मेजबानों को अलग कर रहे हैं क्यों कि अरब देशों को ही अब काफिर कहा जा रहा है। भारत की चुप्पी, I2U2 और मजबूत रक्षा समझौते पाकिस्तान को और अलग कर रहे हैं। ग़जवा के भारत के गुप्त समर्थक भारत के स्टैंड को ईरान के साथ विश्वासघात कह रहे हैं, लेकिन भारत फायदा उठा रहा है। युद्ध-थके पश्चिम के लिए स्थिर साथी भारत ही नजर आ रहा है। ऐसा देश जो अपने इंपल्स पर संयम रखता है। अब वह वैश्विक खलीफा कॉल कहां है ? तुर्की या इंडोनेशिया के स्वयंसेवक कहां हैं? उम्माह हिंद के लिए एकजुट नहीं हो रही, तेहरान पर बंट रही है।

आंतरिक रूप से युद्ध ने उन दरारों को भड़काया है जो ग़ज़वा-ए-हिंद की वैचारिक जमीन को खोखला कर रही हैं। खामेनेई के शोक में पाकिस्तान के 2 करोड़ शिया उग्र हो चुके हैं और सुन्नी कट्टरपंथियों से टकराव बढ़ गया है। कराची, क्वेटा में हिंसा बढ़ी है। सेना मनोबल के संकट का सामना कर रही है। जूनियर अधिकारी ईरान-समर्थक हैं और पश्चिमी सीमाओं पर गश्त के आदेश पर सवाल उठा रहे हैं। सोशल मीडिया सवाल खड़ा कर रहा है कि दिल्ली कैसे जीतें जब लाहौर को खाना नहीं मिल रहा? गजवा के स्वप्नजीवी आगे देखें तो उनकी निराशा गहरी होती है। युद्ध कुछ हफ्तों (ट्रंप की उम्मीद) या महीनों (इज़राइली अनुमान) में खत्म भी हो, निशान रहेंगे: ईरान में शासन बदलाव या कमजोर थियॉक्रेसी, खाड़ी पुनर्संरेखण, अमेरिका-समर्थक ब्लॉक, 'अस्थिरता प्रायोजक' पर वैश्विक प्रतिबंध, कर्ज में डूबा पाकिस्तान, शरणार्थी बोझ, किसी आक्रामक से बड़ी। पुनर्निर्माण प्राथमिकताएं जलवायु परिवर्तन, भारत से पानी युद्ध, आंतरिक आतंकवाद - दुख बढ़ाएंगे। युवा - पहले जिहाद का ईंधन था। अब वह पलायन या निराशा की ओर जा रहा है, शहादत की ओर नहीं।उसे इस स्वप्न की बेवक़ूफ़ियाँ पता चल रही हैं। कट्टरों के लिए प्रामाणिक हदीसें उन युगों की बात करती हैं जब साम्राज्य विश्वास से उभरते थे; आज अर्थशास्त्र, गठबंधन और सटीक युद्ध हावी हैं। भारत के ड्रोन, सैटेलाइट, AI, साइबर पाकिस्तान की कल्पनाओं से बहुत आगे हैं। दिल्ली का रास्ता तेहरान के मलबे तले दब गया है। गजवे का सपना तक़रीर में बचा है, लेकिन तक़दीर में नहीं। वास्तविकता ने थकान, विभाजन और हार का कड़वा सच बोल दिया है। लोग ह्र के दंतहीन विषहीन होने की बात करते हैं पर ध्यान से देखें तो OIC-आर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोआपरेशन -की हालत उससे भी बदतर हो चुकी है। इसलिए भारत के कुछ हल्कों में बेचैनी है तो समझ आता है। पर अपनी असभ्यताओं से बाहर निकलकर आधुनिक युग की रचना में अपनी भूमिका निभाने की चुनौती स्वीकार करने का समय आ गया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राष्ट्रीय दन्त चिकित्सक दिवस

मुस्कान के सूत्रधार, सेहतमंद दांत और आपकी मुस्कान के सूत्रधार

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

हमारा शरीर एक मशीन की तरह है और हमारे चेहरे की खूबसूरती हमारी मुस्कान से जुड़ी होती है। इस मुस्कान को बनाए रखने और दांतों को बीमारियों से बचाने का पूरा श्रेय हमारे दंत चिकित्सकों यानी डेंटिस्ट को जाता है। हर साल 6 मार्च का दिन विशेष रूप से उन डॉक्टरों को समर्पित है जो बड़ी मेहनत और बारीकी से हमारे दांतों की समस्याओं को ठीक करते हैं। यह दिन केवल डॉक्टरों को शुक्रिया कहने का ही नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि हमारे दांतों की सेहत कितनी जरूरी है। अक्सर लोग छोटी-मोटी बीमारियों के लिए तो डॉक्टर के पास चले जाते हैं, लेकिन दांतों के दर्द को मामूली समझकर टाल देते हैं। सच तो यह है कि हमारे पूरे शरीर की सेहत का रास्ता हमारे मुंह से होकर ही जाता है। अगर हमारा मुंह साफ नहीं होगा, तो शरीर का पूरी तरह स्वस्थ रहना बहुत मुश्किल है।

पुराने समय से ही दांतों का इलाज करने की परंपरा रही है, लेकिन आज के समय में यह तकनीक बहुत आगे बढ़ चुकी है। एक डेंटिस्ट का काम केवल खराब दांत निकालना या कैविटी भरना ही नहीं होता, बल्कि वे एक इंजीनियर की तरह हमारे जबड़े की बनावट को समझते हैं और एक कलाकार की तरह हमारे चेहरे की मुस्कान को सुंदर बनाते हैं। आज के दौर में बहुत से लोग अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए डेंटिस्ट की मदद लेते हैं, जिससे न केवल वे सुंदर दिखते हैं बल्कि उनका सामाजिक आत्मविश्वास भी बढ़ता है। आजकल की बिगड़ती जीवनशैली हमारे दांतों की सबसे बड़ी दुश्मन बन गई है। बाहर का खाना, ज्यादा मीठी चीजें, कोल्ड ड्रिंक्स और तंबाकू का सेवन हमारे दांतों की जड़ों को कमजोर कर रहा है। डेंटिस्ट हमें बार-बार समझाते हैं कि दांतों की ऊपरी परत एक बार खराब हो जाए तो वह कुदरती रूप से दोबारा नहीं बनती।

मसूड़ों से खून आना या सांसों की बदबू जैसी समस्याएं केवल शर्मिंदगी ही नहीं लातीं, बल्कि डॉक्टरों का मानना है कि मुंह की गंदगी की वजह से दिल की बीमारियां और शुगर जैसी परेशानियां भी बढ़ सकती हैं। इसलिए डेंटिस्ट को केवल दांतों का डॉक्टर समझना गलत होगा, वे हमारे पूरे शरीर की रक्षा करते हैं। विज्ञान की तरक्की की वजह से अब दांतों का इलाज बहुत आसान और दर्द रहित हो गया है। वह समय चला गया जब लोग डेंटिस्ट के पास जाने से डरते थे। अब ऐसी आधुनिक मशीनें और दवाएं आ गई हैं कि इलाज के दौरान दर्द का पता भी नहीं चलता। बच्चों के लिए तो डेंटिस्ट और भी जरूरी हैं। बचपन में दांतों की सही देखभाल ही आगे चलकर मजबूत और सीधे दांतों की बुनियाद बनती है। विशेषज्ञ बच्चों को खेल-खेल में ब्रश करने का सही तरीका सिखाते हैं, जो पूरी उम्र उनके काम आता है।

हमें इस गलतफहमी को भी दूर करना चाहिए कि डेंटिस्ट के पास जाना बहुत महंगा पड़ता है। हकीकत में, अगर हम समय-समय पर अपने दांतों की जांच करवाते रहें, तो बड़ी बीमारियों और महंगे इलाज की नौबत ही नहीं आएगी। दांत भगवान का दिया हुआ वह अनमोल तोहफा हैं जो एक बार चले जाएं, तो दोबारा असली जैसे नहीं मिल सकते। नकली दांत केवल काम चला सकते हैं, पर वे असली दांतों जैसी मजबूती कभी नहीं दे सकते। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि दांतों की सफेदी से ज्यादा उनकी मजबूती मायने रखती है। कई बार लोग विज्ञापनों के चक्कर में आकर घरेलू नुस्खों से दांत चमकाने की कोशिश करते हैं, जिससे दांतों की सुरक्षा परत घिस जाती है। एक अनुभवी डेंटिस्ट ही आपको सही सलाह दे सकता है कि आपके दांतों के लिए क्या अच्छा है और क्या बुरा।

आज के समय में डेंटिस्ट केवल क्लिनिक तक सीमित नहीं हैं, वे स्कूलों और गाँवों में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वे हमें सिखाते हैं कि रात को सोने से पहले ब्रश करना सुबह ब्रश करने से भी ज्यादा जरूरी है क्योंकि रात भर की गंदगी ही कीड़े लगने का असली कारण बनती है। एक अच्छी मुस्कान न केवल आपको जवान दिखाती है, बल्कि यह आपके पाचन तंत्र को भी मजबूत रखती है क्योंकि सही ढंग से चबाया हुआ खाना ही शरीर को पोषण देता है। हमें अपने डेंटिस्ट को अपना दोस्त समझना चाहिए और उनसे अपनी समस्याओं पर खुलकर बात करनी चाहिए। याद रखिए, एक छोटी सी लापरवाही भविष्य में बड़ा दर्द दे सकती है।

कुल मिलाकर, यह अवसर हमें यह संकल्प लेने का मौका देता है कि हम अपनी मुस्कान की कदर करेंगे। हमें डॉक्टरों की बताई गई बातों को मानना चाहिए, जैसे दिन में दो बार ब्रश करना, सही टूथपेस्ट का इस्तेमाल करना और हर कुछ महीनों में अपना ब्रश बदल देना। अखबारों और मीडिया को भी यह बात घर-घर तक पहुँचानी चाहिए कि अगर दांत स्वस्थ होंगे, तभी देश भी स्वस्थ होगा। आइए, आज के दिन अपने डेंटिस्ट से मिलें, अपनी जांच करवाएं और उन्हें उनकी निस्वार्थ सेवा के लिए धन्यवाद दें। जब आपकी मुस्कान स्वस्थ होगी, तभी आप जीवन का असली आनंद ले पाएंगे और खुलकर हंस पाएंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

आसमान को अखर रही है..!

बसंत शर्मा

है अपनी पहचान ज़रा सी।
अधरों पर मुस्कान ज़रा सी।
राह प्रेम की मुश्किल है, पर,
होती नहीं थकान ज़रा सी।
मैं शिकार करता भी कैसे,
छोटा तीर, कमान ज़रा सी।
आसमान को अखर रही है,
मेरी एक उड़ान ज़रा सी।
राह झूठ की खड़ी रोक के,
सच की है चट्टान ज़रा सी।
छोड़ महल जा नदी किनारे।
प्यारे मस्ती छान ज़रा सी।
किस किस को चंदा दे दे वो,
जिसकी पास दुकान ज़रा सी।
कितना बोझ उठाए बचपन,
बस्ता भारी जान ज़रा सी।
ऐसा वैसा मत समझो तुम,
अपनी भी है शान ज़रा सी।
करती रहती बड़े धमाके,
होती भले ज़बान जरा सी।
इतना ही कहता हूँ ग़ज़ल से,
हो जा रस की खान ज़रा सी।

गैजेट अपडेट

ऐपल का बहुत बड़ा दांव, 69,900 रुपये में लॉन्च किया अब तक का सबसे सस्ता मैकबुक

ऐपल ने बहुत बड़ा दांव चलकर चौंका दिया है। उसने अब तक का अपना सबसे किफायती यानी सस्ता मैकबुक लॉन्च किया है। इसका नाम MacBook Neo है जिसकी कीमत 69,900 रुपये रखी गई है। यह एक बजट मैकबुक है, जो उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प बन सकता है, जिन्होंने आजतक मैकबुक को एक्सपीरियंस नहीं किया। यह इसलिए भी बड़ा कदम है, क्योंकि प्रमुख स्मार्टफोन और लैपटॉप कंपनियां अपने प्रोडक्ट के प्राइस बढ़ा रही हैं और दिग्गज कंपनी ऐपल ने सस्ता मैकबुक पेश करके लोगों को एक अवसर दिया है।

छात्रों के लिए इसके एजुकेशन प्राइस 59,900 रुपये रखे गए हैं। प्रीऑर्डर शुरू हो गए हैं। यह 11 मार्च से स्टोर्स पर भी बिकने लगेगा। ऐपल का यह भी कहना है कि यह उसका अबतक का सबसे इको-फ्रेंडली मैकबुक है, जिसे 60 फीसदी रिसाइकल मटीरियल से बनाया गया है। इसे बनाने में एल्युमीनियम का इस्तेमाल हुआ है। इसका वजन सिर्फ 1.22 किया है। कंपनी का कहना है कि यह फैनलेस (Fanless) डिजाइन के साथ आता है यानी जब इसे इस्तेमाल किया जाएगा तो लैपटॉप जरा भी शोर नहीं करेगा जैसा आम विंडोज लैपटॉप करते हैं, जब उन्हें ज्यादा देर तक इस्तेमाल किया जाता है।

MacBook Neo में 13 इंच का लिक्विड रेटिना (Liquid Retina) डिस्प्ले दिया गया है, जिसका रेजॉलूशन 2408×1506 पिक्सल्स है। यह 500 निट्स ब्राइटनेस और 1 बिलियन कलर्स को सपोर्ट करता है। A18 Pro चिप इस्तेमाल हुआ है। कंपनी ने दावा किया है कि यह चिपसेट Intel Core Ultra 5 से 50 फीसदी फास्ट है और ऑन-डिवाइस AI काम के लिए 3 गुना ज्यादा तेज है। यहां ध्यान रखने वाली बात है कि ऐपल आमतौर पर अपने मैकबुक्स में रूसीरीज के चिपसेट इस्तेमाल करती है और उसकी सबसे नई लाइनअप में M5 सीरीज के चिपसेट दिए गए हैं।

16 घंटे चलने वाली बैटरी: बहरहाल, MacBook Neo को लेकर दावा है कि इसकी बैटरी एक बार चार्ज करने पर 16 घंटे तक चल जाएगी। अन्य फीचर्स के तहत कंपनी ने वीडियो कॉलिंग के लिए 1080p FaceTime HD कैमरा और इमर्सिव साउंड के लिए स्पेशियल ऑडियो (Spatial Audio) के साथ डुअल स्पीकर्स का सेटअप ऑफर किया है।

गार्डनिंग

केले के छिलके का आसान फॉर्मूला, हरसिंगार के पौधे में शुरू होगी फूलों की बारिश!

हरसिंगार, जिसे कई लोग पारिजात भी कहते हैं, खुशबू के लिए मशहूर है। आयुर्वेद में भी इसका खास जिक्र मिलता है, लेकिन गार्डनिंग करने वाले अक्सर शिकायत करते हैं कि पौधा लंबा तो हो रहा है, पत्तियां भी घनी हैं, पर फूल नहीं आ रहे। दरअसल, हरसिंगार को ज्यादा नाइट्रोजन वाली खाद मिल जाए तो पत्तियां तो खूब निकलती हैं, मगर फूल कम बनते हैं। फूलों के लिए पोटेशियम जरूरी होता है। मिट्टी में अगर पोटेशियम की कमी है, तो पौधा सिर्फ बढ़त दिखाएगा, खिलावट नहीं। यहीं पर केले के छिलके काम आते हैं। आमतौर पर हम इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं, लेकिन यही छिलके पौधे के लिए खजाना हैं।

फूलों की शुरुआत सही प्रूनिंग से होती है। सर्दियों के खत्म होते ही पौधे की सूखी और पुरानी टहनियां काट दें। इससे नई शाखाएं निकलती हैं और उन्हीं पर कलियां बनती हैं। कटाई के एक हफ्ते बाद मिट्टी की हल्की गुड़ाई करें। अगर मिट्टी बहुत सख्त हो गई है, तो ऊपर की परत हटाकर थोड़ी नई मिट्टी मिला दें। कई बार लोग सालों तक एक ही मिट्टी में पौधा छोड़ देते हैं, जिससे पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं।

आसान तरीका, घर में तैयार खाद: बायो एंजाइम बनाना सुनने में मुश्किल लगता है, लेकिन है बेहद आसान। एक प्लास्टिक की बोतल लें। उसमें पानी भरें और छोटे-छोटे टुकड़ों में कटे केले के छिलके डाल दें.। अब इसमें थोड़ा सा गुड़ मिला दें , गुड़ फर्मेंटेशन की प्रोसेस को तेज करता है।

बोतल का ढक्कन बंद करें, लेकिन गैस निकलने के लिए रोज एक बार ढक्कन हल्का ढीला कर दें। अगर चाहें तो ढक्कन में छोटा छेद भी कर सकते हैं। गर्मियों में यह एंजाइम करीब डेढ़ महीने में तैयार हो जाता है, जबकि ठंड में इसे तीन से चार महीने लग सकते हैं। जब पानी का रंग गहरा भूरा हो जाए और छिलके पूरी तरह गल जाएं, तो समझ लें कि एंजाइम तैयार है।

खाद देने से पहले क्या करें?: खाद डालने से एक दिन पहले पौधे में पानी न दें। हल्की सूखी मिट्टी पोषक तत्व बेहतर तरीके से सोखती है। खाद डालने से ठीक पहले मिट्टी को थोड़ा ढीला जरूर करें, ताकि जड़ों तक घोल आसानी से पहुंचे। यह लिक्विड फर्टिलाइजर है, इसलिए इसे सीधे जड़ों में नहीं डालना चाहिए. एक लीटर पानी में इतना ही एंजाइम मिलाएं कि पानी का रंग हल्का बदल जाए। इस घोल को जड़ों के आसपास की मिट्टी में डालें। महीने में दो बार यह प्रक्रिया काफी है। कुछ ही हफ्तों में फर्क दिखने लगेगा-नई कलियां, ताजा पत्तियां और फिर फूल। हरसिंगार को ज्यादा पानी पसंद नहीं। जब मिट्टी की ऊपरी परत सूखी दिखे, तभी पानी दें, लेकिन पत्तियों पर हल्की शावरिंग रोज की जा सकती है। इससे धूल हटती है और कीड़े भी कम लगते हैं। कई घरों में देखा गया है कि लोग रोज भारी पानी दे देते हैं, जिससे जड़ें कमजोर हो जाती हैं।

न्यूज विंडो

नपा की जनसुनवाई में समस्याएं सुन निराकरण के दिए निर्देश

नर्मदापुरम। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी द्वारा आज नपा में जनसुनवाई की गई। इस दौरान लोगों की समस्याओं के समाधान करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में जो भी शिकायतें और समस्याएं आती हैं उनका तत्काल प्रभाव से निराकरण करें। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर जनसुनवाई की शुरूआत की गई है जिससे नागरिकों को सीधा लाभ हो रहा है। गुरूवार को सुनवाई में आवेदन आए जिसमे अधिकांश सफाई व्यवस्था, पानी निकासी और पेड़ छंटवाने, अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित शिकायतें आई थी। अधिकांश आवेदनों का निराकरण किया गया। साथ कुछ आवेदनों की जांच उपरांत कराने का आश्वासन दिया गया।

दूज पर भगवान चित्रगुप्त एवं कलम -दवात की हुई पूजा, लगाया गुलाल

गंजबासौदा। देव नगरी बेहलोट स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर में गुरुवार को होली की दूज के अवसर पर कायस्थ समाज विकास कल्याण समिति के तत्वाधान में कलम दवात पूजन एवं भगवान श्री चित्रगुप्त पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें महिला मंडल द्वारा भजनों का कार्यक्रम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्य समाज की मातृ शक्ति द्वारा भजन गाए गए। इसके उपरांत भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा का वाचन, कलम-दवात् पूजन, चित्रगुप्त जी महाराज की महाआरती, प्रसादी वितरण एवं होली मिलन कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर मंदिर में विशेष साज-सज्जा एवं भगवान चित्रगुप्त जी एवं दोनों माता नंदनी और इरावती का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। होली मिलन कार्यक्रम के तहत उपस्थित कायस्थ जनों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दी, छोटों ने वरिष्ठ जनों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया एवं गुलाल से तिलक लगाकर होली खेली। श्री चित्रगुप्त जी की कथा में बताया गया कि धर्म एवं पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को होली भाई दूज पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान चित्रगुप्त की पूजा करने का विधान है। भगवान चित्रगुप्त पुण्य पाप के लेखक है, उनके हाथों में कर्म की किताब, कलम, दवात और करवाल है। वे कुशल लेखक हैं और उनकी लेखनी से अपने-अपने कर्मों के अनुसार सभी जीवों को न्याय मिलता है। इस दिन बहन अपने भाई की लंबी उम्र की कामना करती हैं। जहां भाई बहन की रक्षा का वचन देता है, वहीं बहन भाई को तिलक करती है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के प्रबुद्ध जन, महिला पुरुष एवं युवा मौजूद रहे।

बहन के घर आए युवक की बाइक में दिनदहाड़े लगा दी आग

शहडोल। जयसिंहनगर थानान्तर्गत बहन के घर घूमने आए युवक की बाइक में पुरानी रंजिश के चलते दिनदहाड़े पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। जानकारी के अनुसार दीपू साकेत निवासी छिरहा ब्यौहारी होली में अपनी बहन के यहां जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के बहेरहा गांव घूमने आया था। वह अपनी बाइक से किराना दुकान सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान आरोपी हीरालाल चौधरी अपनी बाइक से वहां पहुंचा और युवक को रोककर उससे विवाद करने लगा। पीड़ित के अनुसार कुछ दिन पूर्व आरोपी को उसकी बहन व जीजा से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर वह रंजिश रखता था। घटना दिनांक को आरोपी अपने साथ बॉटल में पेट्रोल लेकर आया था और विवाद करते हुए अचानक उसकी बाइक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए। ग्रामीणों ने तुरंत पानी और अन्य साधनों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग बाइक पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

सिद्ध बाबा रेलवे ट्रैक पर युवक की ट्रेन से कटकर मौत, पड़ताल जारी

शहडोल। जिले के पपौंध थाना क्षेत्र में सिद्ध बाबा के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान पपौड़ गांव निवासी पुष्पेंद्र साहू (22) पिता रोहित साहू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक गुरुवार शाम किसी काम से घर से निकला था लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान परिजन सिद्ध बाबा रेलवे ट्रैक के पास शुक्रवार सुबह पहुंचे, जहां युवक का शव पटरी पर पड़ा मिला, वहीं रेलवे लाइन के पास उसकी बाइक खड़ी हुई मिली। युवक का शव देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पपौंध थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटनास्थल के पास युवक की बाइक खड़ी मिली है, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि युवक ने ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या की हो सकती है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

छतरपुर-पन्ना सीमा पर केन की कोख छलनी कर रहे रेत माफिया

नदी के बीचों-बीच उतरीं मशीनें, जलीय संरचना को रौंदकर निकाला जा रहा रेत का खजाना

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड की जीवनदायिनी मानी जाने वाली केन नदी इन दिनों रेत माफियाओं के चंगुल में फंसी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। छतरपुर और पन्ना जिले की सीमा पर स्थित बीरा और हथौंहा के बीच केन नदी के सीने को भारी-भरकम मशीनों से छलनी किया जा रहा है। नदी के बीचों-बीच पानी में उतरीं हेवी पोकलेन मशीनें न केवल रेत का अवैध उत्खनन कर रही हैं, बल्कि नदी की पूरी जलीय संरचना को ही तहस-नहस करने पर आमादा हैं।

ताजा तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने नदी की जलधारा के बीचों-बीच मशीनों के आवागमन के लिए अवैध रास्ते और अस्थाई बांध बना दिए हैं। रेत निकालने के लालच में केन नदी के प्राकृतिक स्वरूप के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पानी के भीतर तक गहराई से रेत निकाली जा रही है, जो एनजीटी के स्पष्ट दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन है।

राज्य विधानसभा में बीते सत्र में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विधायक रामश्री राजपूत के सवाल के जवाब में बताया कि छतरपुर जिले में नदियों से अवैध रेत खनन की कुल 719 शिकायतें प्राप्त हुई। इन शिकायतों के आधार पर वाहन भी पकड़े गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि सरकार के अनुसार, अवैध खनन से नदियों की स्थिति खराब होने संबंधी कोई जानकारी भी अब तक सामने नहीं आई है। केन नदी की रेतीली संरचना जलीय जीवों, विशेषकर कछुओं और मछलियों के लिए प्रजनन का प्राकृतिक स्थान होती है। मशीनों के भारी टायरों और खुदाई ने इस संरचना को पूरी तरह रौंद दिया है। अवैध उत्खनन के कारण नदी का जल स्तर प्रभावित हो रहा है और इसकी धारा का मार्ग भी बदलता जा रहा है, जिससे भविष्य में पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

सीमा विवाद और अधिकारियों का रटा-रटाया जवाब

यह अवैध कारोबार छतरपुर और पन्ना जिले की सीमा पर होने के कारण माफियाओं को सीमा विवाद का बड़ा फायदा मिलता है। जब एक जिले का प्रशासन कार्रवाई की तैयारी करता है, तो माफिया मशीनें दूसरे जिले की सीमा में सरका देते हैं। बीरा और हथौंहा के ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध परिवहन के कारण भारी वाहन दिन-रात गांवों की सडक़ों को खराब कर रहे हैं और विरोध करने पर ग्रामीणों को धमकाया जाता है। वहीं, विभागीय अधिकारियों का कहना है कि वे जांच कर कार्रवाई करेंगे, लेकिन हकीकत में हफ्तों से मशीनों का शोर थमने का नाम नहीं ले रहा है।

> छतरपुर जिले में अवैध उत्खनन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बीते सप्ताह ही विभिन्न मामलों में 6 करोड़ तक जुर्माना लगाया गया। नदी में मशीन उतारने की जांच के निर्देश दे दिए हैं। आज ही चेक कराकर कार्रवाई कर रहे हैं।
> -अमित मिश्रा,
> सहायक संचालक, खनिज

राहुल गांधी और उमंग सिंघार ने होली व भगोरिया के माध्यम से दिया प्रेम व भाईचारे का संदेश: विनोद सेन

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन ने बताया की होली और भगोरिया केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह दिलों को जोड़ने, रिश्तों को मजबूत करने और समाज में प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का संदेश देने का पर्व है। भारत की महान गंगा-जमुनी संस्कृति का यही स्वरूप है कि यहाँ हर रंग, हर धर्म और हर विचार को साथ लेकर चलने की परंपरा रही है। जब रंग एक-दूसरे में घुलते हैं, तब कोई भेद नहीं रहता। न जाति का, न धर्म का, न अमीरी-गरीबी का। यही वह भावना है जो हिंदुस्तान को दुनिया के सबसे खूबसूरत लोकतंत्रों में खड़ा करती है।

आज के दौर में जब समाज में कई बार नफरत और विभाजन की राजनीति देखने को मिलती है, तब ऐसे अवसरों पर प्रेम और एकता का संदेश देना और भी जरूरी हो जाता है। इसी भावना को सशक्त रूप से आगे बढ़ाते हुए देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ होली और भगोरिया मनाकर देश को एक बड़ा संदेश दिया—नफरत के खिलाफ मोहब्बत का संदेश। होली के इन रंगों में केवल गुलाल नहीं था, बल्कि उसमें भाईचारे की खुशबू थी, लोकतंत्र की ताकत थी और उस विचारधारा का रंग था जो भारत को जोड़ने की बात करती है। जब राहुल गांधी और उमंग सिंघार ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर रंग लगाया, तो वह केवल एक त्योहार की परंपरा नहीं थी, बल्कि वह उस सोच का प्रतीक था जिसमें हर भारतीय को साथ लेकर चलने का संकल्प दिखाई देता है। कांग्रेस पार्टी का इतिहास ही प्रेम, समावेश और एकता की विचारधारा से जुड़ा रहा है। महात्मा गांधी से लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और आज राहुल गांधी व उमंग सिंघार तक—इस परंपरा ने हमेशा देश को जोड़ने की बात की है। यही कारण है कि जब राहुल गांधी कहते हैं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है, तो यह केवल एक नारा नहीं बल्कि भारत की आत्मा की आवाज बन जाती है।

मां के सामने 5वीं मंजिल से कूदकर युवक ने जान दी

इंदौर। दोपहर मेट्रो

शहर में एक युवक ने मां के सामने 5वीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। घटना शहर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में स्थित ताप्ती परिसर की है। रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई घटना से कॉलोनी में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की। मृतक के परिजन का आरोप है कि घटना से कुछ देर पहले ही पुलिसकर्मी ने उसे थप्पड़ मारे थे। ताप्ती परिसर में रहने वाले 23 वर्षीय राज मकवाना ने बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात 2 से 3 बजे के बीच 5वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी कर ली। राज की मां ने बताया कि गर्मी लगने के कारण राज रात में मल्टी के नीचे टहल रहा था। तभी गार्ड ने उसे रोका, जिस पर दोनों के बीच बहस हो गई। इसके बाद गार्ड ने वहीं से गुजर रहे पुलिसकर्मियों को बुला लिया। परिजनों का कहना है कि उन्होंने पुलिसकर्मियों को राज की तबीयत खराब होने के बारे में बताया और माफी भी मांगी। लेकिन एक पुलिसकर्मी ने उसे थप्पड़ मार दिया था। राज की मां के मुताबिक पुलिसकर्मी के द्वारा थप्पड़ मारने से राज बुरी तरह से डर गया था वो इतना घबरा गया था कि पकड़े जाने के डर से वो बार-बार घर के अंदर-बाहर जा रहा था।

समर्थन मूल्य पर गेहूं पंजीकरण की अंतिम तिथि 7 मार्च, 49 किसान पंजीकृत

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए जिले में तहसीलवार 132 पंजीकरण केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें डोलरिया में 13, इटारसी में 15, पिपरिया में 11, बनखेड़ी में 15, बाबई में 17, सिवनीमालवा में 32, सोहागपुर में 19, नर्मदापुरम ग्रामीण में 9 और नर्मदापुरम नगर में 1 केंद्र शामिल हैं।सहकारी समितियों, विपणन संस्थाओं, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालयों के सुविधा केंद्रों के अलावा ई-लोक सेवा केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर, एमपी ऑनलाइन कियोस्क और साइबर कैफे के माध्यम से सशुल्क पंजीकरण की व्यवस्था है। 7 फरवरी से शुरू हुए इस अभियान में अब तक 49,401 किसानों ने पंजीकरण करा लिया है।अंतिम तिथि 7 मार्च 2026 है। जिला प्रशासन ने सभी इच्छुक किसानों से अपील की है कि वे शीघ्र पंजीकरण कराएं, ताकि समर्थन मूल्य पर गेहूं बिक्री का लाभ उठा सकें।

ताऊ ने भाई-बहन पर लठ से किए ताबड़तोड़ वार, हुई मौत

सीहोर। दोपहर मेट्रो

जिले में शुक्रवार सुबह रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। ग्राम धरमपुरी में पुरानी रंजिश के चलते एक ताऊ ने अपने ही भतीजे और भतीजी को लठ से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। दोनों भाई-बहन परीक्षा देने घर से निकले थे लेकिन रास्ते में ही उन पर हमला कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार मामला सिद्दीकगंज थाना क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी का है। यहां आरोपी ताऊ हरिसिंह मालवीय ने अपने भतीजे कुलदीप (18 वर्ष) और भतीजी शीतल (20 वर्ष) पर लठ से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में दोनों बुरी तरह घायल होकर जमीन पर गिर पड़े और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। इस दोहरे हत्याकांड के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि शीतल और कुलदीप शुक्रवार सुबह घर से परीक्षा देने के लिए निकले थे। जैसे ही वे घर से कुछ दूरी पर पहुंचे, रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे आरोपी ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद उसने दोनों पर लगातार लठ से वार करना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले से दोनों संभल भी नहीं सके और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि यह घटना अचानक नहीं हुई, बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दी गई है। मृतकों के पिता जगदीश मालवीय का कहना है कि आरोपी को पहले से जानकारी थी कि दोनों बच्चे उस दिन परीक्षा देने जाने वाले हैं। इसी वजह से वह सुबह से ही रास्ते में लठ लेकर घात लगाकर बैठा हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने दोनों पर बेरहमी से हमला किया। सिर और शरीर पर लगातार किए गए वार से दोनों गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। देखते ही देखते दोनों के शरीर से खून बहने लगा और कुछ ही देर में उनकी सांसें थम गईं। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसडीओपी दामोदर गुप्ता और सिद्दीकगंज थाना प्रभारी राजू सिंह बघेल भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

मेट्रो एंकर — प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय सेवा केंद्र पर मनाया पर्व

भाई-बहन के पवित्र संबंध का संदेश देता है भाई दूज: ब्रह्माकुमारी नंदनी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय, चर्च वाली गली बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र में भाई दूज का पर्व श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी अनु दीदी एवं ब्रह्माकुमारी नंदनी दीदी ने भाई-बहनों को पर्व के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया। ब्रह्माकुमारी अनु दीदी ने कहा कि भाई दूज का पर्व प्रेम, स्नेह और पवित्रता का प्रतीक है। आज के कलयुगीन वातावरण में मनुष्य के मन पर बुराइयों और विकारों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, ऐसे समय में परिवार में धर्म-कर्म और आध्यात्मिक गतिविधियों का होना आवश्यक है। इससे व्यक्ति अपने मूल संस्कारों और संस्कृति से जुड़ा रहता है तथा जीवन में पाप कर्म कम होकर दुआओं की पूंजी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन की भागदौड़ और तनाव के कारण लोग

मानसिक उलझनों से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में मन की शक्ति को बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। समस्याओं का आना जीवन का हिस्सा है, लेकिन उनसे सहजता से निकलना ही जीवन की कला है। ब्रह्माकुमारी नंदनी दीदी ने भाई दूज के महत्व को बताते हुए यम और यमुना की कथा का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यमुना के निमंत्रण पर यमराज अपनी बहन के घर आते हैं और स्नेहपूर्वक भोजन ग्रहण करते हैं। प्रसन्न होकर यमराज वरदान देते हैं कि जो बहन प्रेमपूर्वक अपने भाई का सत्कार करेगी, उसे दंड से मुक्ति मिलेगी। दीदी ने कहा कि परमात्मा को भी बंधु और सखा कहा गया है। जब संसार में पाप और अधर्म की अति हो जाती है, तब परमात्मा साधारण मानव शरीर के माध्यम से अवतरित होकर आत्माओं को सही मार्ग दिखाते हैं। जो आत्माएं परमात्मा को पहचानकर उनके मार्गदर्शन पर चलती हैं, उन्हें जीवन में शांति और सुख की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि यदि भाई अपनी बहनों की तरह सभी बहनों को पवित्र दृष्टि से देखें और बहनें भी मर्यादा में रहें, तो समाज में अपराधों की घटनाएं समाप्त हो सकती हैं। इससे परिवार और राष्ट्र देवतुल्य बन सकता है तथा जीवन में सुख-शांति का वातावरण स्थापित हो सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने उपस्थित होकर भाई दूज पर्व का आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

नरभक्षी ने टीका लगवाने जा रहे किशोर की हत्या कर मांस खाया, खून पीया

दमोह। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के दमोह जिले के देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव में गुरुवार दोपहर एक ऐसी सनसनीखेज घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। यहां एक सिरफिरे आरोपी ने 16 वर्षीय किशोर की लोहे की रॉड और हथौड़े से हत्या कर दी और इसके बाद उसके शरीर से मांस निकालकर खाने व खून पीने जैसी वीभत्स हरकत की। घटना के बाद गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल बन गया।

इमलिया चौकी क्षेत्र के अर्थखेड़ा गांव का रहने वाला भरत विश्वकर्मा 16 वर्ष अपनी बहन तमन्ना के घर समन्ना गांव भाईदूज का टीका लगवाने आया था। टीका लगवाने के बाद जब वह बाइक से वापस लौट रहा था, तभी गांव के ही गुड्डा पटैल ने उस पर हमला कर दिया। बताया गया है कि आरोपी ने पहले लोहे की रॉड से भरत के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपी पास से लोहे का हथौड़ा लाया और उसके सिर पर लगातार वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पत्नी की भी कर चुका है हत्या

पुलिस के अनुसार आरोपी गुड्डा पटेल पूर्व में भी हत्या के मामले में सजा काट चुका है। सीएसपी एचआर पांडे ने बताया कि कुछ वर्ष पहले आरोपी ने अपनी पत्नी की गर्दन काटकर हत्या कर दी थी, इस मामले में उसे सजा हुई थी। हाल ही में जेल से छूटने के बाद उसने फिर इस जघन्य वारदात को अंजाम दे दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद से समन्ना गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है।

लोग आए दहशत में

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने हत्या के बाद किशोर के सिर से मांस निकालकर खाया और हाथों में खून भरकर पी लिया। इस भयावह दृश्य को देखकर गांव के लोग दहशत में आ गए। जब ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो वह मौके से भागकर गांव के पास एक खेत में जा छिपा। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और खेत की घेराबंदी कर दी। इसी दौरान आक्रोशित ग्रामीण आरोपी को मारने के लिए पथराव करने लगे। भीड़ इतनी उग्र हो गई कि पुलिस को भी इधर-उधर भागकर खुद को बचाना पड़ा। वहीं, आरोपी भी खेत से ग्रामीणों व पुलिस पर पथराव कर रहा था और पास आने वालों पर लोहे की रॉड से हमला करने की कोशिश कर रहा था। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने आरोपी को काबू में किया और भीड़ से बचाते हुए उसे पुलिस वाहन में बैठाकर थाने ले गई।

न्यूज विंडो

हैप्पी क्लब के सदस्यों ने मॉर्निंग वॉक के दौरान मनाया होली मिलन

तेंदूखेड़ा। सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान हैप्पी क्लब के सदस्यों ने आपसी सौहार्द और उत्साह के साथ होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। ज्ञात हो कि हैप्पी क्लब के सदस्य पिछले लगभग 8 वर्षों से लगातार मॉर्निंग वॉक करते आ रहे हैं। ठंड, गर्मी या बरसात-किसी भी मौसम में क्लब के सदस्य नियमित रूप से सुबह एकत्र होकर मॉर्निंग वॉक करते हैं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करते हैं। क्लब के सदस्य सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। क्लब के सदस्यों का कहना है कि नियमित मॉर्निंग वॉक से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है। इसी उद्देश्य से वे वर्षों से निरंतर इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं ताकि समाज के अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग हों और नियमित व्यायाम व मॉर्निंग वॉक को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इस होली मिलन कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र भदौरिया, लखन यादव, राजेश दुबे, अमित नामदेव, अंगद सिंह, मोनू जैन, शरद जैन, लक्ष्मण यादव लच्छू, महेंद्र सिंह राजपूत, अनिल यादव, रत्नेश जैन, राजू साहू, कमल नारायण यादव, अनिल जैन, बबलू कोरी, शाहिद खान, दीपक पांडे, डोमन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई कर 3.36 लाख का सामान जब्त

धार। जिले की धामनोद पुलिस ने अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 3.36 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। ग्राम दूधी में की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक टवेरा वाहन से अवैध शराब बरामद की और आरोपी चालक को हिरासत में लिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एबी रोड स्थित कुंदा फाटा के पास घेराबंदी की। इस दौरान खलघाट की ओर से आ रहे टवेरा वाहन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन से 8 पेटी बोल्ट बीयर और एक पेटी लंदन प्राइड शराब बरामद हुई, जिसकी कुल कीमत 36 हजार रुपये आंकी गई है। वाहन चालक की पहचान अर्जुन दांगी (30), निवासी मांडव के रूप में हुई है। पूछताछ में चालक शराब परिवहन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने शराब के साथ ही परिवहन में प्रयुक्त 3 लाख रुपए कीमत का वाहन भी जब्त कर लिया है। धामनोद पुलिस ने आरोपी पर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज किया है। यह कार्रवाई आरक्षक रवि जमरे और मनीष राठौर की टीम द्वारा अंजाम दी गई। पुलिस फिलहाल इस मामले में शराब के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है।

पड़ताल जारी: घटनास्थल से बाइक की चाबी गायब, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

जंगल में मिला युवक का शव, मृतक के भाई ने पूछा-60 किमी दूर कैसे पहुंचा

तेंदूखेड़ा /रहली। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के जंगल में एक 30 वर्षीय युवक का शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस, डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक की शिनाख्त सागर निवासी विकास राजपूत के रूप में हुई है। घटनास्थल पर युवक की बाइक मिली है, लेकिन उसकी चाबी गायब है। परिजनों ने इसे षड्यंत्र बताते हुए हत्या की आशंका जताई है रहली पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच कर रही है जानकारी के अनुसार तेंदूखेड़ा रहली मार्ग पर टाइगर रिजर्व के अंदर विस्थापित ग्राम मुहली के पास जंगल में युवक का शव पड़ा था। गश्त कर रहे वनकर्मियों ने जब शव देखा तो तत्काल रहली पुलिस को सूचना दी। रहली थाना प्रभारी सुनील शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां खड़ी बाइक के नंबर के आधार पर मृतक की पहचान विकास पिता मनोहर सिंह राजपूत उम्र 30 वर्ष निवासी बाईसा मोहल्ला (सागर) के रूप में हुई। गुरुवार सुबह डॉग स्क्वॉड और एफएसएल टीम ने वारदातस्थल की बारीकी से जांच कर सबूत इकट्ठे किए मृतक के भाई अविनाश सिंह ने पुलिस को बताया कि विकास बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे घर से निकला था। जब वह देर तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसे फोन लगाया, लेकिन उसका मोबाइल बंद आ रहा था। इसी बीच पुलिस से उन्हें घटना की सूचना मिली, जिसके बाद परिवार के लोग सागर से घटनास्थल पहुंचे गुरुवार दोपहर पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिवार वालों को सौंप दिया

भाई का आरोप

षड़यंत्र कर की गई हत्या

अविनाश ने पुलिस के सामने हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके भाई की षड्यंत्र के तहत हत्या की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि विकास सागर से करीब 60 किलोमीटर दूर इस घने जंगल में कैसे पहुंच गया उनका कहना है कि विकास की किसी से कोई बुराई नहीं थी और वह शराब भी नहीं पीता था। घटनास्थल पर उसकी बाइक खड़ी मिली है, लेकिन चाबी गायब है, जबकि मौके पर उसकी चप्पल और इयरफोन पड़े मिले हैं। परिजनों ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घर से दोस्त के साथ निकले युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या, जांच जारी

तेंदूखेड़ा। गत दिवस तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी क्षेत्र अंतर्गत खारी गांव में एक युवक की पत्थर से कुचलकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही इमलिया चौकी व तेजगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई। अज्ञात आरोपियों ने इस वारदात को अंजाम दिया। सुबह परिजनों को सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतक के सिर में गंभीर चोट के निशान मिले हैं, और पास ही एक बड़ा पत्थर पड़ा हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान दुर्गेश पिता कलू सिंह निवासी हरदुआ खुर्द के रूप में हुई है। दुर्गेश के छोटे भाई भगवान सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दुर्गेश गांव के सुंदर सिंह के साथ बाइक लेकर अभाना के हरिशंकर सेठ को देने गया था। उसके पास हरिशंकर सेठ के 4700 रुपए भी थे जो उसे वापस करने थे। भगवान सिंह के अनुसार मंगलवार रात दुर्गेश का फोन आया था, जिसमें उसने बताया कि वह पथरिया के जीजा के साथ इमलिया सब्जी लेने जा रहा है।

रंगपंचमी: कैमरों से रखेंगे पैनी नजर, तेज रफ्तार वाहन व हुड़दंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की सरदारपुर तहसील के राजगढ़ में रंग पंचमी के पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शांति व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर लगाम कसने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस बार रंग पंचमी का पर्व पुलिस की तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों की कड़ी निगरानी में मनाया जाएगा। पुलिस प्रशासन और राजगढ़ नगर के जनसहयोग से करीब 50 उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से पूरे राजगढ़ नगर की निगरानी की जाएगी। नगर के प्रमुख बाजारों, चौराहों सहित नगर

की सीमाओं तक ये कैमरे सक्रिय कर दिए गए हैं। राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने गुरुवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देश और एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर किया गया है। पुलिस थाने में स्थापित कंट्रोल रूम में एक विशेष पुलिस जवान तैनात रहेगा, जो सभी 50 कैमरों की लगातार मॉनिटरिंग करेगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि, विवाद या भीड़ की असामान्य स्थिति सामने आने पर तत्काल पुलिस बल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करेगा। तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों और हुड़दंग करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिजली के तार से युवक ने लगाई फांसी

तेन्दूखेड़ा। तेजगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत मझगुवा मॉल में में एक व्यक्ति द्वारा खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने का घटनाक्रम सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही तेजगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर शव को पोस्टमार्टम के भेजा गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार छोटेलाल पिता गोविंद राठौर उम्र 45 वर्ष निवासी मझगुवा थाना तेजगढ़ है। पुलिस ने बताया कि युवक मानसिक रूप से कमजोर था और नशे का सेवन करता था मृतक बुधवार की सुबह घर से खेत के लिए निकला था घटना की सूचना परिजनों को तब लगी जब परिजन खेत में पहुंचे तो मृतक युवक बबूल के पेड़ के नीचे पड़ा हुआ था और मृतक के गले में लाइट की डोरी का तार फंसा हुआ था तेजगढ़ थाने से पहुंचे प्रधान आरक्षक संदीप महोबिया आ राजन राजपूत ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और पुलिस के सुपुर्द कर मर्ग कायम कर जांच शुरू की।

मेट्रो एंकर सड़क चौड़ीकरण पर स्थानीय लोगों का जमकर फूटा गुस्सा

100 फीट चौड़ी सड़क के लिए विधायक को घेरा, फूट-फूटकर रोईं महिलाएं

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण पर स्थानीय लोगों का गुस्सा जमकर फूटा है। गुरुवार को पिपलीनाका इलाके के लोगों ने विधायक अनिल जैन के दफ्तर जा पहुंचे। यहां पर विधायक ने लोगों को समझाइश दी और कार लेकर जाने लगे।

आक्रोशित भीड़ ने भाजपा विधायक की गाड़ी को बीच में ही रोक लिया। इसके विधायक को कार्यलय के अंदर ले जाया गया। यहां पर महिलाएं रोते हुए भीतर घुस गईं और जमकर नारेबाजी की। बता दें कि, नगर निगम के द्वारा पिपलीनाका से गढ़कालिका और भैरवगढ़ मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण में अंतर्गत आने वाले लोगों को नोटिस जारी किए थे। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि प्रभावित हिस्सों को सात दिनों के अंदर खाली करा दें। लोगों की मानें तो 10-20 फीस का हिस्सा चौड़ीकरण में आता है।

पहले सड़क को 150 फीट चौड़ा करने का प्रस्ताव था

विधायक अनिल जैन ने विरोध कर रही महिलाओं की बात सुनी और कलेक्टर रोशन सिंह ने फोन पर चर्चा की। प्रदर्शन के दौरान बुजुर्ग महिलाएं बिलखती हुईं नजर आईं। स्थानीय महिलाओं का कहना है कि महिलाओं के सामने छत खोने का संकट खड़ा हो गया। कई महिलाओं के पास किराए के कमरे तक देने के लिए पैसे नहीं हैं। तो की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है कि वह इलाज तक का पैसा नहीं चुका पा रही हैं। दरअसल, पिपलीनाका से गढ़कालिका मंदिर होते हुए ओखलेश्वर श्मसान और भैरवगढ़ जेल चौराहे तक के घर और दुकान मालिकों को नोटिस थमाए गए थे। सड़क को पहले 150 फीट चौड़ा करने का प्रस्ताव था। इसके बाद उसे घटाकर 100 फीट कर दिया गया।

शादी में युवती को स्टेज पर दूल्हे के सामने गोली मारने की धमकी

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

बीते दिनों बिहार के बक्सर में शादी के स्टेज पर दुल्हन की गोली मारकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया था और अब मध्यप्रदेश में भी इसी तरह से एक युवती को स्टेज पर गोली मारने की धमकी दी गई है। मामला ग्वालियर का है, यहां एक 22 वर्षीय युवती को पड़ोस में रहने वाले युवक ने ये धमकी दी है। युवती ने आरोपी युवक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ग्वालियर के सिकंदर कंपू क्षेत्र में रहने वाली 22 वर्षीय युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी 11 मार्च को शादी है। पड़ोस में रहने वाला समीर नाम का युवक उसे लंबे समय से परेशान कर रहा है। तीन मार्च को वो दिन में आंगन में काम कर रही थी तभी आरोपी समीर आया और धमकी दी कि शादी के स्टेज पर वो दूल्हे के सामने उसे गोली मार देगा। एसिड फेंककर उसका चेहरा बिगाड़ देगा और शादी में इतना हंगामा करेगा कि बारात वापस लौट जाएगी। इसके साथ ही आरोपी ने ये भी धमकी दी है कि वो पूरे परिवार को गोली मार देगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी समीर उसके परिवार के साथ उसके पड़ोस में ही रहता है। दो साल पहले साल 2024 में समीर ने घर के बाहर उससे छेड़छाड़ की थी और विरोध करने पर मारपीट की थी। तब पीड़िता ने समीर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसी मामले में आरोपी समीर पर उस पर राजीनामा करने का दबाव बना रहा है और धमकी दी है कि अगर दो दिन के अंदर बयान नहीं बदले और राजीनामा नहीं किया तो एसिड फेंककर जला देगा। इतना ही नहीं पीड़िता के मुताबिक आरोपी समीर उसे लगातार परेशान कर रहा है।

टी 20 विश्व कप के फाइनल में सर्वाधिक बार पहुंचने वाली टीम

भारत-4

2007, 2014, 2024, 2026

इंग्लैंड-3

2010, 2016, 2022

पाकिस्तान -3

2007, 2009, 2022

श्रीलंका-3

2009, 2012, 2014

अक्षर के कैच, बुमराह-हार्दिक के वो 2 ओवर, संजू की हिटिंग...

भारत ने इंग्लैंड का सपना यूं किया चकनाचूर

मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंच गई है। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने इंग्लैंड को सात रनों से पराजित किया। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 254 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए वो सात विकेट पर 246 रन ही बना सका। अब भारतीय टीम फाइनल में 8 मार्च को न्यूजीलैंड का सामना करेगी।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम की बल्लेबाजी इस मैच में काफी शानदार रही, वहीं गेंदबाजी में कुछ कमजोर कड़ियां जरूर नजर आईं। जबकि फील्डिंग टीम इंडिया की दमदार रही। वैसे पिच भी बैटिंग के मुफीद थी, तभी दो इस मुकाबले में करीब 500 रन बने। अक्षर पटेल ने इस मैच में जैसी फील्डिग की, वो गेमचेंजिंग साबित हुआ। अक्षर ने इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रूक का हवा में उड़ता कैच लिया। बाद में अक्षर ने विल जैक्स को पवेलियन लौटाने में अहम भूमिका निभाई, जो क्रीज पर पूरी तरह सेट हो चुके थे। यही नहीं अक्षर ने फिल साल्ट का भी कैच लेकर टीम को पहली कामयाबी दिलाने में अपना रोल निभाया।

भारत लगातार दूसरी बार पहुंचा फाइनल में

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप के पिछले संस्करण में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हराकर इतिहास रचना चाहेगी। अब तक कोई भी मेजबान टीम टी20 वर्ल्ड कप नहीं जीत पाई है। साथ ही लगातार दो बार किसी टीम ने टी20 वर्ल्ड कप खिताब नहीं जीता

बुमराह-हार्दिक ने पलट दिया मैच

मैच के टर्निंग पॉइंट्स इंग्लिश पारी के 18वें और 19वें ओवर रहे। 18वां ओवर जसप्रीत बुमराह ने डाला, जिसमें केवल 6 रन आए। वहीं 19वां ओवर हार्दिक पंड्या ने किया, जहां उन्होंने सिर्फ 9 रन खर्च किए और सैम करन का विकेट भी लिया। इन दो ओवरों के चलते इंग्लैंड को जीत के लिए आखिरी ओवर में 30 रन बनाने थे, जो काफी मुश्किल टास्क था। बल्लेबाजी में संजू सैमसन ने भारत के लिए कमाल का प्रदर्शन किया। संजू ने 42 गेंदों में 89 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इंग्लैंड के गेंदबाज उन्हें रोकने के लिए प्रयासरत रहे, लेकिन सैमसन ने सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया। हालांकि हैरी ब्रूक ने जरूर उनका कैच ड्रॉप टपकाया था, तब सैमसन 15 रनों पर थे।

वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद अफगानी टीम में बड़ा बदलाव...

राशिद खान की गई कप्तानी इब्राहिम को सौंपी गई कमान

काबुल, एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अफगानी टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। यह टीम ग्रुप-स्टेज में ही बाहर हो गई, जिसके बाद नेतृत्व और टीम संरचना पर सवाल उठे। वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कड़ा फैसला लेते हुए राशिद खान को टी20 टीम की कप्तानी से हटा दिया है। एसीबी ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए स्क्वॉड की घोषणा कर दी है। टी20 टीम की कमान सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान को सौंपी गई है। एसीबी के चीफ सेलेक्टर अहमद शाह सुलेमानखिल ने कहा, इब्राहिम जादरान ने राशिद खान के डिप्टी के रूप में सेवा दी थी, लेकिन अब वो इस फॉर्मेट में अफगानिस्तान के फुलटाइम कैप्टन नियुक्त किए गए हैं। हम राशिद खान के योगदान के लिए आभारी हैं और इब्राहिम को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

एसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नसीब खान ने अफगानी टीम के वर्ल्ड कप से जल्द बाहर होने के बाद संकेत दिया था कि टीम में संरचनात्मक और नेतृत्व बदलाव संभव हैं और अब यह फैसला उसी दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। टी20ढ्ढ स्क्वॉड में शराफुद्दीन अशरफ, फरीद अहमद मलिक और विकेटकीपर बल्लेबाज नूर रहमान को जगह मिली है। वहीं बिलाल सामी ODI टीम में बरकरार हैं और टी20 रिजर्व में भी शामिल किए गए हैं। सामी ने अपने दूसरे ओडीआई मैच में बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट लिए थे,

नांगेयालिया खरोटे और इजाज अहमदजई टी20 रिजर्व में हैं, जबकि ODI रिजर्व में कैस अहमद, मोहम्मद सलीम सफी और बशीर अहमद को रखा गया है। अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की टी20ढ्ढ सीरीज 13 मार्च से शारजाह में शुरू होगी। इसके बाद 20 मार्च से दुबई में तीन मैचों की ODI सीरीज खेली जाएगी। राशिद खान को कप्तानी से हटाना अफगानी क्रिकेट में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। अब सबकी नजर इस बात पर होगी कि इब्राहिम जादरान की अगुवाई में टीम कितनी सफल साबित होती है। टी20 वर्ल्ड कप की निराशा के बाद अफगानिस्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम नए नेतृत्व के साथ नई शुरुआत करने के लिए तैयार है।

अफगानिस्तान की टी20 टीम: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), नूर रहमान (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, शराफुद्दीन अशरफ, राशिद खान, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद अहमद मलिक और अब्दुल्ला अहमदजई।
रिजर्व: नांगेयालिया खरोटे, बिलाल सामी और इजाज अहमदजई।
अफगानिस्तान की वनडे टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांगेयालिया खरोटे, अल्लाह गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद अहमद मलिक और बिलाल सामी।
रिजर्व- कैस अहमद, मोहम्मद सलीम सफी और बशीर अहमद।

गौतम गंभीर ने जान लगा भारत को फाइनल में पहुंचाया,

मैच देखने आए धोनी ले उड़े जीत का सारा क्रेडिट

नई दिल्ली, एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ सात रन से रोमांचक जीत दर्ज की। जैकब बेटेल की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद भारत ने फाइनल में जगह बनाई, जहां अहमदाबाद में उसका मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। मैच के दौरान मैदान पर जबरदस्त रोमांच देखने को मिला, वहीं दर्शकों के लिए एक और खुशी की वजह थी। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी स्टेडियम में मौजूद थे। टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर थाला फॉर अ रीजन की वायरल फ्रेज फिर से सुर्खियों में आ गया। यह फ्रेज क्रिकेट फैंस के बीच एक

मशहूर मीम बन चुका है, जो धोनी की जर्सी नंबर सात और चेन्नई सुपर किंग्स के समर्थकों के बीच थाला यानी नेता के तौर पर उनकी पहचान से जुड़ा है। जैसे ही भारत ने इंग्लैंड को कड़े मुकाबले में हराया, सोशल मीडिया पर धोनी की मौजूदगी को जीत का कारण बताते हुए पोस्ट्स की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने थाला फॉर अ रीजन फ्रेज को बार-बार दोहराया, जो रातभर ट्रेंड करता रहा। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जो जीत हासिल की इसमें संयोग कहा या कुछ और नंबर 7 ही हर जगह नजर आ रहा है। टीम इंडिया ने 7 विकेट के नुकसान पर 253 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम 7 विकेट गंवाकर 246 रन तक पहुंच पाई। भारतीय टीम 7 रन से जीती। इस मैच में भारत के लिए टॉप स्कोर बनाने वाले संजू सैमसन ने 7 छक्के मारे। कमाल की बात यह है कि इंग्लैंड के लिए शतक जमाने वाले जैकब बेथल ने भी 7 ही छक्के मारे।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026: लक्ष्य सेन ने लोंग एंगस को हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

बर्मिंघम, एजेंसी

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने ऑल इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस को हराया। इससे पहले लक्ष्य ने पहले राउंड में बड़ा उलटफेर करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन शि यू को हराया था।

24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने एक घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में लोंग एंगस को 21-19, 21-23, 21-10 से हराया। यह सेन

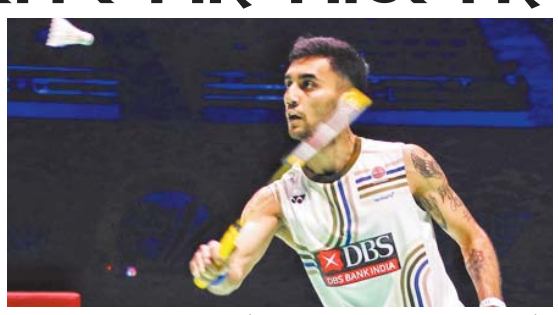

की एंगस के खिलाफ पहली जीत है। इससे पहले उन्हें हांगकांग के खिलाड़ी के खिलाफ 3 मुकाबलों में हार झेलनी पड़ी थी, जिसमें 2023 मलेशिया मास्टर्स में मिली हार भी शामिल थी। 2022 ऑल इंग्लैंड फाइनलिस्ट सेन ने अपने हांगकांग के विरोधी के खिलाफ आक्रामक आगाज किया और पूरे शुरुआती गेम में अपनी बढ़त बनाए रखी। हालांकि, लोंग ने लगातार तीन प्वाइंट जीतकर स्कोर को 19-19 की बराबरी पर ला दिया, लेकिन सेन ने अगले दो प्वाइंट लेकर गेम अपने नाम कर लिया। एक समय पर लग रहा था कि सेन दूसरे गेम को भी आसानी से जीत जाएंगे। वह दूसरे गेम में 11-4 से आगे चल रहे थे, लेकिन लोंग एंगस ने धीरे-धीरे मैच में वापसी की। हांगकांग के अनुभवी खिलाड़ी ने 17-20 से लगातार तीन मैच प्वाइंट बचाए और फिर 20-21 के स्कोर पर एक प्वाइंट और बचाया और मैच को निर्णायक गेम में अपने नाम कर लिया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में दिखाई गई गुड टच-बैड टच की कहानी

एकता कपूर ने बताई वजह

बीते दिनों एक टीवी शो रिमझिम: छोटी उम्र बड़ा सफर में नाबालिग लीड एक्ट्रेस को अपने से बड़े मेल को-स्टार के साथ इंटीमेट होते हुए दिखाया गया था। सीन वायरल होने के बाद इसकी काफी अलोचना हुई थी। अब इसी कड़ी में एकता कपूर ने अपने फेमस शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी में एक सामाजिक मुद्दे को शामिल किया, जिसे देखने के बाद हर कोई इंप्रेस हो गया। हाल ही में क्योंकि सास भी कभी बहू थी की स्टोरी में गुड टच और बैड टच की स्टोरी को दिखाया गया है। इस बारे में अब शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी अपना रिएक्शन दिया है। क्या दिखाया गया शो में? क्योंकि सास भी कभी बहू थी के लेटेस्ट एपिसोड में उस वक्त एक गहरा बदलाव आता है जब परी की बेटी गरिमा एक दर्दनाक किडनैपिंग की घटना से गुजरती है। अक्सर टीवी शोज में ऐसी घटनाओं को दिखाकर आगे बढ़ जाया जाता है, लेकिन यहां मेकर्स ने इसके मानसिक असर पर ध्यान केंद्रित किया है। तुलसी गरिमा के पास बैठती है और उसे बहुत ही प्यार से गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर समझाती है। वह गरिमा को यह भरोसा दिलाती है कि अगर उसे कुछ भी गलत महसूस हो, तो उस पर चुप्पी साधने के बजाय बोलना कितना जरूरी है। यह सीन केवल डर दिखाने के लिए नहीं, बल्कि बच्चों को जागरूक और मजबूत बनाने के उद्देश्य से बुना गया है।

प्रोड्यूसर को लेकर शेयर किए विचार

शो की प्रोड्यूसर एकता कपूर ने इस ट्रैक को लेकर अपने विचार शेयर किए हैं। उनका मानना है कि जब तुलसी जैसा लोकप्रिय और भरोसेमंद किरदार टेलीविजन पर किसी संवेदनशील मुद्दे पर बात करता है, तो उसका असर सीधे लोगों के दिलों पर पड़ता है। एकता ने बताया कि वीरानी परिवार पर दर्शकों का जो अटूट विश्वास है, वह उनके कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी भी डालता है। उन्होंने कहा कि गरिमा के जरिए गुड टच और बैड टच का मुद्दा उठाना सिर्फ कहानी की मांग नहीं थी, बल्कि यह सालों से चली आ रही सामाजिक चुप्पी को तोड़ने की एक कोशिश थी। जब तुलसी स्क्रीन पर शारीरिक सीमाओं की बात करती है, तो यह घर बैठे माता-पिता को भी अपने बच्चों से ऐसी बातें करने का हौसला देती है।

कंट्रोवर्सी क्वीन ब्रिटनी स्पीयर्स नशे में कर रहीं थी हरकत, नजर पड़ते ही पुलिस ने उठा लिया

पॉप आइकॉन और हॉलीवुड की 'कंट्रोवर्सी क्वीन' ब्रिटनी स्पीयर्स एक बार फिर गंभीर कानूनी पचड़े में फंस गई हैं. कैलिफोर्निया के वेंचुरा काउंटी में पुलिस ने उन्हें 'ड्राइविंग अंडर द इन्फ्लुएंस' यानी नशे की हालत में गाड़ी चलाने के शक में गिरफ्तार कर लिया. बुधवार रात सड़क पर संदिग्ध हालत में गाड़ी चलाते वक्त पुलिस की नजर उन पर पड़ी और उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया. हालांकि, कुछ घंटों की पूछताछ और कागजी कार्रवाई के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया है. अब उन्हें 4 मई को अदालत का सामना करना होगा.

वेंचुरा काउंटी शेरिफ कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, यह घटना बुधवार रात की है. स्थानीय समयानुसार रात करीब 9:28 बजे पुलिस ने सिंगर को सड़क पर संदिग्ध हालत में ड्राइविंग करते हुए पकड़ा और उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया. पुलिस रिकॉर्ड्स की पुष्टि करते हुए बिलबोर्ड, वेरायटी और TMZ जैसी प्रमुख हॉलीवुड मीडिया आउटलेट्स ने बताया कि ब्रिटनी को रात 3:02 बजे आधिकारिक तौर पर बुक किया गया और पूछताछ के बाद सुबह 6:07 बजे उन्हें रिहा कर दिया गया. अब इस

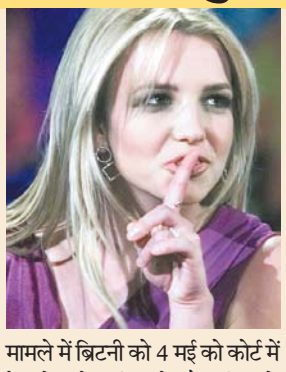

मामले में ब्रिटनी को 4 मई को कोर्ट में पेश होना होगा. विवादों और मुश्किलों से भरा रहा है जीवन ब्रिटनी स्पीयर्स का जीवन हमेशा से ही जनता और मीडिया की पैनी नजरों के साये में रहा है. साल 2021 में उनका निजी जीवन तब पूरी दुनिया की सुर्खियों में आ गया था, जब एक जज ने उनके 13 साल लंबे 'कंजर्वेटरशिप' को खत्म कर दिया था. इस कानूनी व्यवस्था के तहत उनके पिता जेमी स्पीयर्स 13 सालों तक ब्रिटनी के व्यक्तिगत और वित्तीय मामलों को पूरी तरह से कंट्रोल कर रहे थे.

अनिश्चित वैश्विक माहौल में एशिया को रहना होगा आर्थिक रूप से मजबूत: आईएमएफ चीफ ने चेताया

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने गुरुवार को वैश्विक अर्थव्यवस्था की अनिश्चितता पर गहरी चिंता व्यक्त की। क्रिस्टालिना ने कहा कि? दुनिया को लगातार ऐसे झटके लग रहे हैं, जिनका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता, इसलिए एशिया में नीति-निर्माताओं और व्यवसायों को चुस्त और आर्थिक रूप से मजबूत बने रहना होगा। बैंकॉक में एक सभा में बोलते हुए क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था लगातार अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर रही है। देशों को नई चुनौतियों के लिए तैयार रहने की जरूरत है, जो कभी भी सामने आ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारों को अपने कंट्रोल से बाहर की चीजों पर चिंता करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। जॉर्जीवा ने कहा, ÷दुनिया अभी टेक्नोलॉजी, जनसांख्यिकी, व्यापार और भू-राजनीति में बड़े बदलाव देख रही है।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷ये बदलाव बार-बार आने वाले ग्लोबल झटकों के साथ मिलकर, एक ज्यादा अनिश्चित इकोनॉमिक माहौल बना रहे हैं। उन्होंने मिडिल ईस्ट में हाल के झगड़े का भी जिक्र किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि अगर यह लंबे समय तक जारी रहा तो यह ग्लोबल इकोनॉमिक स्टेबिलिटी पर असर डाल सकता है। उन्होंने कहा, ÷लंबा खिंचने वाला संघर्ष वैश्विक ऊर्जा कीमतों, बाजार की धारणा, आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकता है और दुनिया भर के नीति-निर्माताओं पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है।

सेबी ने फोर्स मोटर्स से पुराने वित्तीय नतीजों और स्टॉक की गतिविधियों को लेकर जानकारी मांगी

मुंबई। बाजार नियामक सेबी ने फोर्स मोटर्स लिमिटेड से पुराने वित्तीय नतीजों और फरवरी 2024 के दौरान कंपनी के शेयर की गतिविधियों को लेकर जानकारी मांगी है। एक नियामक फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि बाजार नियामक ने 4 फरवरी, 2026 को एक ईमेल भेजा था। इसमें 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और छमाही के अनऑडिटेड स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड वित्तीय परिणामों की जानकारी मांगी गई है। इन परिणामों की घोषणा मूल रूप से 29 अक्टूबर, 2024 को की गई थी। सेबी ने विशेष रूप से आय परिणामों की घोषणा से संबंधित घटनाओं के क्रोनोलॉजी की मांग की है। नियामक ने कंपनी से इंसाइडर्स, प्रबंधकीय सूचना प्रणाली (एमआईएस), नामित व्यक्तियों और उसके संरचित डिजिटल डेटाबेस से एक हिस्से के बारे में जानकारी देने को भी कहा है। पुणे स्थित ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी ने कहा कि नियामक द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में उसे कोई अनियमितता या गैर-अनुपालन नहीं मिला है।

कंपनी ने यह भी कहा कि उसे इस पूछताछ के कारण अपने वित्तीय संचालन पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। डिस्क्लोजर के बाद कंपनी के शेयरों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआत में शेयर दबाव में आए और सत्र के दौरान 6 प्रतिशत से अधिक गिर गए, लेकिन बाद में दिन में उनमें सुधार हुआ। अंत में फोर्स मोटर्स के शेयर 365 रुपए या 1.70 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21,815 रुपए पर बंद हुए। हालांकि, हाल के हफ्तों में शेयर में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

ब्राजील कार्निवल में उमड़ा जनसैलाब

सांबा की धुन पर थिरकी दुनिया

ब्राजीलिया। दुनिया के सबसे बड़े उत्सवों में से एक बाजील कार्निवल चरम पर पहुंच चुका है। उत्सव अलग-अलग शहरों के बाद अब रियो डी जेनेरियों में दस्तक दे चुका है। कार्निवल में रिकॉर्ड तोड़ भीड़ उमड़ रही है। इस साल अनुमान है कि लगभग 6.5 करोड़ लोग शामिल होंगे। अलग-अलग शहरों में कार्निवाल में 4 हजार से ज्यादा कलाकार हिस्सा ले रहे हैं। रियो डी जेनेरियो में ही करीब 80 लाख लोगों के आने की उम्मीद है। रियो में परेड का केंद्र सांबाडीम है, जहां 12 टॉप-लीग सांबा स्कूल मुख्य प्रतियोगिता में उतर रहे हैं। इनके साथ दर्जनों स्कूल निचली डिवीजनों में परेड करते हैं। हर बड़े सांबा स्कूल में हजारों डांसर, म्यूजीशियन, कारीगर, कॉस्ट्यूम डिजाइनर टेलर और सेट बनाने वाले लोग जुड़े होते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अकेले एक उभरते स्कूल पाड़े मिग्वेल का बजट करीब 190 करोड़ रु है। अकेले रियो में हर साल करीब 70.000 अस्थायी नौकरियां मिलती हैं। इसमें सुरक्षा, सफाई, स्टाल, होटल रेस्तरां स्टाफ, इवेंट मैनेजमेंट शामिल हैं।

न्यूज विंडो

मरीज ने दवा लेने से इनकार किया तो कर्मचारियों ने की पीट-पीटकर हत्या

सूरत। गुजरात के सूरत शहर से एक परेशान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मरीज को ठीक करने के बजाय कर्मचारियों ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। पूरी घटना यहां के एक नशामुक्ति केंद्र की है, जहां इलाज करा रहे 32 वर्षीय मरीज की चार कर्मचारियों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी, क्योंकि उसने दवा लेने से इनकार कर दिया था। फिलहाल ने सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो परामर्शदाता, एक वार्ड ब्वाय और एक चालक शामिल हैं। पुलिस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह घटना डुमास क्षेत्र में स्थित रीवा व्यसन मुक्ति और पुनर्वास केंद्र में हुई। सहायक पुलिस आयुक्त श्वेता डेनियल ने बताया कि धवल राठौड़ (32) की मौत के लिए कथित तौर पर जिम्मेदार चार लोगों में दो परामर्शदाता, एक वार्ड ब्वाय और एक चालक शामिल हैं। धवल राठौड़ को 28 फरवरी को नशा मुक्ति उपचार केंद्र में भर्ती कराया गया था। डेनियल ने बताया, 'राठौड़ ने दवा लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्होंने उसकी पिटाई की। एक मार्च की रात को उसकी हालत बिगड़ने पर उसे 108 नंबर की एम्बुलेंस से न्यू सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

ट्रेन हादसे में बेटे की मौत, खबर सुनते ही पिता ने भी छोड़ दी दुनिया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के चकवा जगदीशपुर गांव में उस समय मातम छा गया जब पिता और पुत्र की एक साथ अर्थी उठी। दोनों असम से अपने गांव होली पर्व मनाने के लिए लौट रहे थे, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही एक दर्दनाक हादसा हो गया। बताया गया है कि पिता के साथ लौट रहे बेटे की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। इस घटना की जानकारी से पिता काफी देर तक अनजान रहे और ट्रेन में आगे तक सफर करते रहे। जानकारी के अनुसार यह हादसा न्यू जलपाईगुड़ी और कटिहार स्टेशन के बीच हुआ। ट्रेन से गिरने के कारण बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। उधर पिता इस बात से अनजान होकर ट्रेन में कई स्टेशन आगे तक पहुंच गए। जब पिता बरौनी स्टेशन पहुंचे, तब साथ में सफर कर रहे एक यात्री ने इस घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजन बुजुर्ग को लेने के लिए पहुंचे और उन्हें निजी वाहन से घर लेकर आने लगे। बताया गया है कि रास्ते में जब बुजुर्ग पिता को बेटे की मौत की खबर दी गई, तो यह सदमा वह सहन नहीं कर सके और उन्होंने भी वहीं दम तोड़ दिया।

प्रजापति छह माह से अस्पताल में भर्ती, न बीमारी काबू में, न किया जा रहा रेफर

लखनऊ। सामूहिक दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति छह महीने से लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल के निजी वार्ड में भर्ती हैं। डॉक्टरों की टीम उनके इलाज में जुटी है। लेकिन, लंबे समय तक अस्पताल में उनके भर्ती रहने पर अब सवाल उठने लगे हैं। बता दें कि, 1 अक्तूबर 2025 को जेल में एक अन्य कैदी ने गायत्री प्रजापति पर हमला कर दिया था। इसमें उनके सिर में चोट आई थी। शुरुआती इलाज केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में चला। इसके कुछ दिनों बाद उन्हें बलरामपुर अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया। तब से वह अस्पताल के प्राइवेट रूम में भर्ती हैं। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, पूर्व मंत्री केवल सिर की चोट ही नहीं, बल्कि कई पुरानी बीमारियों डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, गुर्दे से जुड़ी बीमारी और कमर दर्द से भी जूझ रहे हैं। चर्चा इस बात की है कि यदि छह माह में भी बीमारी काबू में नहीं आई है, तो डॉक्टर उन्हें न तो किसी उच्च चिकित्सा संस्थान रेफर कर रहे हैं और न ही वापस जेल भेजने की स्थिति स्पष्ट कर रहे हैं।

इजराइली रक्षा मंत्री का ईरानी सर्वोच्च नेता की मौत पर बड़ा खुलासा

तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई को खत्म करने का प्लान

यरुशलम, एजेंसी

इजराइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला पिछले साल नवंबर में ही ले लिया था। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन को मूल रूप से लगभग छह महीने बाद यानी 2026 के मध्य तक पूरा करने की योजना थी।

उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक में लिया फैसला

रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चैनल को बताया, 'नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था।'

ईरान की घरेलू अशांति के बाद बढ़ाई समय सीमा

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय-सीमा को बढ़ाया गया। इजराइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इजराइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इजराइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है।

'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' का हिस्सा: खामेनेई की हत्या शनिवार को शुरू हुए 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' के शुरुआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इजराइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले 'अस्तित्वगत खतरे' को खत्म करना और 'शासन परिवर्तन' को सुविधाजनक बनाना है।

ईरान से लड़ने में हमसे मदद मांग रहा अमेरिका: जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका और पश्चिम एशिया में उसके सहयोगी ईरान के शाहेद ड्रोन का मुकाबला करने में यूक्रेन की मदद चाहते हैं। जेलेंस्की ने बुधवार देर रात कहा कि अमेरिका समेत कई देशों ने ईरानी ड्रोन हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन से मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के नेताओं से संभावित सहयोग के बारे में बात की है। रूस ने लगभग चार साल पहले अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला करने के बाद से उस पर हजारों शाहेद ड्रोन दागे हैं। ईरान ने भी अमेरिकी-इजरायली संयुक्त हमलों के जवाब में इसी प्रकार के ड्रोन दागे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ईरान के ड्रोन हमलों का मुकाबला करने में यूक्रेन की सहायता तभी प्रदान की जाएगी जब इससे यूक्रेन की अपनी सुरक्षा कमजोर न हो और इससे रूसी आक्रमण को रोकने के लिए कीव के राजनयिक प्रयासों को बल मिले।

बड़ा फेरबदल...

बिहार-महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के राज्यपाल बदले

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार-महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों के राज्यपाल बदल गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और दिल्ली के एलजी भी बदल गए हैं। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख का नया लेफ्टिनेंट गवर्नर बनाया गया है। तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया एलजी बनाया गया। हिमाचल प्रदेश के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को महाराष्ट्र का नया गवर्नर बनाया गया है।

बिहार बीजेपी के सीनियर नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का गवर्नर बनाया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन को बिहार का गवर्नर बनाया गया। नंद किशोर बिहार सरकार में मंत्री और राज्य के स्पीकर रह चुके हैं।

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर बने तमिलनाडु के गवर्नर: केरल के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर तमिलनाडु के गवर्नर का काम संभालेंगे। लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का नया राज्यपाल बनाया गया। वहीं, भारत के राष्ट्रपति ने पश्चिम बंगाल के गवर्नर डॉ. सी.वी. आनंद बोस का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। तमिलनाडु के गवर्नर आर.एन. रवि को पश्चिम बंगाल का गवर्नर नियुक्त किया गया। इसकी जानकारी राष्ट्रपति भवन ने दी है।

सीवी आनंद बोस के इस्तीफे पर ममता बनर्जी ने दी प्रतिक्रिया: इससे पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने नई दिल्ली में अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया, इसके बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह अचानक हुए इस इस्तीफे से ''स्तब्ध और बेहद चिंतित'' हैं। सीवी आनंद ने फोन पर बताया, ''हां, मैंने इस्तीफा दे दिया है। मैं साढ़े तीन साल तक बंगाल का राज्यपाल रहा हूं; यह मेरे लिए पर्याप्त है। उन्होंने हालांकि अचानक इस्तीफा देने के कारणों का खुलासा नहीं किया, जिससे राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई क्योंकि उनका कार्यकाल नवंबर 2027 तक था।

आंध्र प्रदेश के CM ने किया बड़ा ऐलान

दूसरा और तीसरा बच्चा पैदा करने पर मिलेंगे 25 हजार

अमरावती। भारत भले ही दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश हो, लेकिन कई दक्षिण भारतीय राज्यों में बर्थ रेट बेहद कम है। इसे सही करने के लिए सरकारों ने प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। इसी कड़ी में आंध्र प्रदेश दूसरे और तीसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये की आर्थिक मदद करेगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अगर परिवार में दूसरा या तीसरा बच्चा होता है, तो सरकार डिलीवरी के समय 25,000 रुपये देगी। उन्होंने बताया कि यह योजना जन्म दर बढ़ाने के लिए बड़ी गेम चेंजर साबित होगी।

आंध्र प्रदेश विधानसभा में बोलते हुए, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की प्रस्तावित पॉपुलेशन मैनेजमेंट पॉलिसी पेश की। उन्होंने कहा कि अभी लगभग 58% परिवारों में सिर्फ एक बच्चा है, लगभग 2.17 लाख परिवारों में दो बच्चे हैं, और लगभग 62 लाख परिवारों में तीन या उससे ज्यादा बच्चे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग तीन लाख परिवारों में दो के बजाय सिर्फ एक बच्चा है, जबकि दूसरे तीन लाख परिवारों में दो से ज्यादा बच्चे हैं।

आंध्र प्रदेश का फर्टिलिटी रेट अभी 1.5: मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य का टोटल फर्टिलिटी रेट अभी 1.5 है, जबकि डेमोग्राफिक बैलेंस बनाए रखने के लिए आइडियल लेवल 2.1 होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव का मामला

बिरला कर सकेंगे मतदान, नहीं करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार, 9 मार्च से होगी। इसी दिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। बिरला इस दौरान कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं करेंगे बल्कि अन्य सांसदों के साथ बैठेंगे। हालांकि बिरला को अपना बचाव करने का अधिकार होगा, साथ ही वह प्रस्ताव पर होने वाले मतदान में भी शामिल हो सकेंगे। संविधान विशेषज्ञ पीडीटी आचार्य ने बताया कि नियमों और तय प्रक्रिया के अनुसार, जब निचले सदन में प्रस्ताव पर चर्चा होगी तो बिरला को अपना बचाव करने का अधिकार होगा। साथ ही उन्हें प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने का भी अधिकार होगा। उन्होंने कहा कि जब उन्हें हटाने के प्रस्ताव पर सदन में विचार किया जाएगा तो वह कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं कर सकते हैं। उन्हें सत्तापक्ष के सांसदों के साथ बैठना होगा।

लोकसभा के पूर्व महासचिव आचार्य ने बताया कि ऐसी परिस्थितियों में अध्यक्ष जिस सीट पर बैठते हैं, उस सीट का आवंटन नियमों में नहीं बताया गया है। उन्होंने बताया कि बिरला स्वचालित मतदान प्रणाली का इस्तेमाल कर प्रस्ताव पर वोट नहीं कर पाएंगे, बल्कि उन्हें अपना वोट पंजीकरण करने के लिए एक स्लिप भरनी होगी।

बिरला को राज्यसभा से आने वाले मंत्री की सीट दी जा सकती है: आचार्य का मानना है कि राज्यसभा से आने वाले किसी केंद्रीय मंत्री की सीट उन्हें दी जा सकती है, क्योंकि केवल लोकसभा सदस्य ही प्रस्ताव के पक्ष या विपक्ष में वोट दे पाएंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा के उपाध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति के लिए उनके अपने-अपने सदनों में तय सीटें होती हैं, जब वे अध्यक्षता नहीं कर रहे होते हैं। विपक्ष की बेंचों में आगे की सीटें उन्हें दी जाती हैं।

मेट्रो एंकर

ईरान जंग का असर: दिल्ली से चावल की सप्लाई रुकने से कीमतों में आई गिरावट

बासमती चावल के गिरे दाम, लाखों टन फंसा सफेद सोना

नई दिल्ली, एजेंसी

इजराइल-ईरान युद्ध का असर अब भारतीय बाजार पर भी साफ दिखने लगा है। खासकर बासमती चावल के निर्यात पर इसका गंभीर असर पड़ा है। मिडिल ईस्ट के बाजार लगभग बंद हो जाने से दिल्ली के नए बाजार से चावल की सप्लाई रुक गई है और कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है। दिल्ली ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश गुप्ता ने बताया कि मिडिल ईस्ट का बाजार पिछले कुछ दिनों से लगभग ठप हो गया है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही चावल की मांग घट गई है और बाजार पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों में ही चावल के दाम गिरने लगे हैं।

नरेश गुप्ता के मुताबिक, भारत से बासमती चावल सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इराक, बहरीन, कुवैत, कतर समेत कई मिडिल ईस्ट देशों में जाता है। युद्ध के कारण

इन देशों के लिए भेजा गया माल रास्ते में ही अटक गया है, जिससे सप्लाई पूरी तरह प्रभावित हो गई है। वहीं, चावल एग्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष राधेश्याम गर्ग ने बताया कि युद्ध शुरू होने के साथ ही मिडिल ईस्ट का बाजार गिरना शुरू हो गया। पिछले पांच दिनों में ही बाजार करीब 10 प्रतिशत तक टूट चुका है। उनका कहना है कि हालात कब तक सामान्य होंगे, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है।

चार लाख टन चावल फंसा

चावल एग्रो इंडिया के राहुल के मुताबिक, मौजूदा हालात में भारत से भेजा गया करीब चार लाख टन बासमती चावल अलग-अलग जगहों पर फंसा हुआ है। कुछ माल समुद्र में जहाजों पर रुका है, कुछ बंदरगाहों पर अटका है और कई ऑर्डर का माल अभी भी गोदामों में पड़ा है।

भुगतान और शिपमेंट की नई मुश्किलें

बावान फूड प्रोसेस यूनिट के अध्यक्ष दीपक गोयल ने बताया कि हाल ही में दुबई में हुए फूड एक्सपो से उन्हें बड़ी संख्या में चावल निर्यात के ऑर्डर मिले थे और इस साल कारोबार बढ़ने की उम्मीद थी। लेकिन युद्ध के कारण हालात बदल गए हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों और तनाव की वजह से ईरानी खरीदारों से भुगतान मिलने में भी अनिश्चितता बढ़ गई है। इसके अलावा जहाजों के लिए बीमा मिलना मुश्किल हो गया है, जिससे शिपमेंट रुक रही हैं।

देश में भी गिरने लगे दाम

निर्यात में रुकावट के कारण भारत में बासमती चावल की कीमतें करीब 10 प्रतिशत तक गिर गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि फरवरी महीने में मजबूत निर्यात मांग के चलते बासमती चावल की कीमतों में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई थी। लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद बाजार का रुख पूरी तरह बदल गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564